Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-10 16-31 मई, 2023 (पाक्षिक) ₹20

'भाजपा प्राथमिक क्षेत्रों के समग्र विकास के साथ कर्नाटक का विकास सुनिश्चित करेगी'

100 वां एपिसोड

मन की बात

'मन की बात' करोड़ों भारतीयों की 'मन की बात' है

'मन की बात@100' के माध्यम से नए भारत की कहानी

मन की बात: आदिवासी समुदायों का सशक्तीकरण और एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण

हरपनहल्ली (कर्नाटक) में 05 मई, 2023 को एक विशाल रोड शो के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 01 मई, 2023 को भाजपा दृष्टिपत्र जारी करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

चिक्कोडी–सदलगा (कर्नाटक) में 06 मई, 2023 को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

डोड्डाबल्लापुर (कर्नाटक) में 07 मई, 2023 को एक रोड शो के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

बेंगलुरु (कर्नाटक) में 29 अप्रैल, 2023 को बसवांगुडी में एक भव्य रोड शो के दौरान रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 **मेरे लिए 'मन की बात' एक कार्यक्रम नहीं है, एक आस्था, पूजा, व्रत है: प्रधानमंत्री**

मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार। आज 'मन की बात' का सौवां एपिसोड है। मुझे आप सबकी हजारों चिट्ठियां मिली हैं, लाखों सन्देश मिले हैं और मैंने कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा चिट्ठियों को पढ़ पाऊं, देख पाऊं, संदेशों को जरा...

20 **भाजपा प्राथमिक क्षेत्रों के समग्र विकास के साथ कर्नाटक का विकास सुनिश्चित करेगी: जगत प्रकाश नड्डा**

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा...

22 **भाजपा की नीति 'नेशन फर्स्ट', जबकि कांग्रेस की नीति 'करप्शन फर्स्ट' है : नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक में 3 मई, 2023 को मूडबिद्री, अंकोला...

24 **जब-जब कांग्रेस की सरकार रही, तब-तब नए-नए भ्रष्टाचार सामने आये: जगत प्रकाश नड्डा**

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने मांड्या और चिक्कबल्लापुरा...

33 **केरल सरकार का फोकस युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने पर नहीं है : नरेन्द्र मोदी**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने थेवारा केरल...

वैचारिकी

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा / **अटल बिहारी वाजपेयी** 30

बुद्ध पूर्णिमा पर विशेष लेख

भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिया है / **शिव प्रकाश** 28

'मन की बात@100' पर लेख

'मन की बात@100' के माध्यम से नए भारत की कहानी / **पीयूष गोयल** 16

मन की बात: आदिवासी समुदायों का सशक्तीकरण और एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण / **अर्जुन मुंडा** 18

श्रद्धांजलि

अंबा चरण वशिष्ठ नहीं रहे 32

अन्य

अप्रैल, 2023 के लिए जीएसटी राजस्व संग्रह अब तक का सर्वाधिक 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा 25

वर्तमान में चल रहे आरएमएस के दौरान अब तक 2022-23 से भी अधिक 195 एलएमटी गेहूं की खरीद की गई 26

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना ने किए 8 साल पूरे 27

मोदी स्टोरी 29

'द केरल स्टोरी' आतंक के नए, जहरीले रूप को उजागर करती है: जगत प्रकाश नड्डा 29

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

अनंत शुभकामनाएं! भारतीय आध्यात्मिक विरासत को अपने प्रकाशन के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाने में निरंतर जुटी गीताप्रेस की 100 वर्षों की यह यात्रा अद्भुत और अविस्मरणीय है।

(3 मई, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने के लिए त्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बधाई! आपकी उपलब्धि बैडमिंटन की दुनिया में भारत की बढ़ती क्षमता और कद का एक श्रेष्ठ उदाहरण है।

(30 अप्रैल, 2023)

अमित शाह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एक परफेक्ट कम्युनिकेटर हैं, उनके जैसी कम्युनिकेशन स्किल वाला नेता पूरी दुनिया में विरले ही दिखता है।

(26 अप्रैल, 2023)

राजनाथ सिंह

आज मालदीव को एक फास्ट पेट्रोल वेसल और एक लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट शिप सौंपकर प्रसन्नता हो रही है। यह हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के प्रति हमारी साझी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

(2 मई, 2023)

बी.एल. संतोष

बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के अपने स्वयं के वादे के बाद कर्नाटक कांग्रेस उस आदमी की तलाश में है जिसने इस बिंदु को जोड़ा... !! इसके वादे के प्रति शून्य प्रतिबद्धता के अलावा यह कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की गैरजिम्मेदारी को दर्शाता है, जो केवल अपनी जिम्मेदारी दूसरों पर थोपने का प्रसास कर रहे हैं। #रिवर्स गियर कांग्रेस (6 मई, 2023)

डॉ. के. लक्ष्मण

तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री बंदी संजय और कार्यकर्ताओं के साथ 'द केरल स्टोरी' देखी। फिल्म अवश्य देखें क्योंकि यह आईएसआईएस की गतिविधियों को उजागर करती है, जो धर्म के नाम पर राष्ट्र विरोधी, छद्म धर्मनिरपेक्षतावादी द्वारा समर्थित है।

(8 मई, 2023)

कमल संदेश परिवार की ओर से सुधी पाठकों को

गंगा दशहरा (29 मई)

की हार्दिक शुभकामनाएं!

मन की बात@100
व्यापक परिवर्तन का वाहक

मन की बात ने रेडियो के एक अत्यंत लोकप्रिय कार्यक्रम के रूप में जन-जन के मन में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। एक ऐसे दौर में जब रेडियो को लोग बीते जमाने की बात मानने लगे थे, 'मन की बात' को इसे संचार माध्यमों की दुनिया में पुनः स्थापित करने का श्रेय जाता है। जहां इसकी लोकप्रियता इसके हर संस्करण के साथ बढ़ी, वहीं पूरे देश में इसके श्रोता कई गुणा अधिक बढ़ गए। आज यह नई पहलों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। 3 अक्तूबर, 2014 को विजयदशमी को प्रारंभ होने के पश्चात् अब यह 23 भारतीय भाषाओं, 29 बोलियों एवं 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित हो रहा है। आईआईएम, रोहतक के एक सर्वे के अनुसार 100 करोड़ लोगों ने कभी-न-कभी इस कार्यक्रम को सुना है तथा 23 करोड़ लोग इसे नियमित रूप से सुनते हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा ने अपने भारत दौरे के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ 27 जनवरी, 2015 को इस कार्यक्रम में शामिल हो लोगों के प्रश्नों के उत्तर दिए थे। आज जबकि मन की बात का 100वां संस्करण प्रसारित हुआ है, 'चरैवेति' के संदेश से ओत-प्रोत यह गौरवपूर्ण यात्रा निरंतरता एवं प्रगति के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है।

> **'मन की बात' के मंच से उभरते विचार एवं संवाद कड़ी-दर-कड़ी राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में चरित्र-निर्माण के माध्यम से राष्ट्रीय पुनर्जागरण की नई गाथा लिख रहे हैं**

जैसे-जैसे 'मन की बात' अधिक से अधिक लोकप्रिय होता गया, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जीवन के वास्तविक नायकों की संघर्ष गाथा, उनकी सफलताएं, विचार एवं दृष्टि से जनता का परिचय कराते हुए लोगों को प्रेरित करते रहे हैं। 'मन की बात' के हर संस्करण में लोगों को जोड़कर यह एक ऐसे मंच के रूप में विकसित हुआ है जिसमें लोग अपने विचारों एवं प्रयोगों को जन-जन से साझा कर सकते हैं। 'सेल्फी विद डॉटर' के माध्यम से बालिकाओं के सम्मान का अभियान, 'स्टेच्यू क्लीनिंग' अभियान के माध्यम से हमारे नायकों को सम्मान, 'फिट इंडिया' के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान जैसे पहलों से कई प्रयोगों को जनांदोलन बनाने में सफलता मिली। कोविड-19 महामारी के उस कठिन दौर को कौन भूल सकता है जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' के मंच का प्रभावी रूप से उपयोग करते हुए जन-जन को इस आपदा को अवसर में बदलने के लिए प्रेरित किया जब भी देश के सामने विपरीत परिस्थिति आई, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर कठिन समय में लोगों में आशा और विश्वास का संचार किया। वास्तव में 'मन की बात' एक ऐसे मंच के रूप में उभरा, जिसने लोगों में सकारात्मक ऊर्जा भर हर चुनौती से दो-दो हाथ करने को प्रेरित किया। उनके शब्द लोगों का मनोबल बढ़ाने तथा तपती धूप में शीतल छाया देने वाले साबित हुए हैं। उन्होंने इस मंच का उपयोग समाज में हाशिए पर माने जाने वाली संस्कृतियों, भाषाओं, कथाओं एवं कहानियां तथा उनके पर्व-त्योहारों को देश की मुख्यधारा के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत करने के लिए किया। उन्होंने न केवल देश की एकात्मता को प्रतिबिंबित करते हुए हर हिस्से को देश की मुख्यधारा के रूप में परिभाषित किया, बल्कि पीढ़ियों के मध्य बढ़ती खाई को भी पाटने के उल्लेखनीय प्रयास किए।

'मन की बात' के मंच से उभरते विचार एवं संवाद कड़ी-दर-कड़ी राष्ट्र निर्माण के व्यापक संदर्भ में चरित्र-निर्माण के माध्यम से राष्ट्रीय पुनर्जागरण की नई गाथा लिख रहे हैं। 'मन की बात' के सौवें संस्करण ने जहां पीछे मुड़कर नौ वर्षों की अपनी गौरवशाली यात्रा का अवलोकन किया, वहीं एक स्वर, एक भावना, एक आह्वान की एकात्मता के अनुरूप जन-जन की सोच में व्यापक परिवर्तन का वाहक भी बना है। इसने सामाजिक विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ घरेलू खिलौना उद्योग, जल-संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अभियान, हर घर तिरंगा अभियान, देश में रिकॉर्ड टीकाकरण जैसे पहलों को व्यापक जनांदोलनों में परिवर्तित करने में भी सफलता पाई। आज जब देश 'मन की बात' के कई और नए संस्करणों की प्रतीक्षा रहा है, आने वाले समय में यह मंच युवाओं को प्रेरित एवं जन-जन को प्रोत्साहित करता रहेगा। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी

मन की बात

मेरे लिए 'मन की बात' एक कार्यक्रम नहीं है, एक आस्था, पूजा, व्रत है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम 30 अप्रैल, 2023 को एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंचा। सौवीं बार श्री मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय जनमानस से बात की। यह प्रसारण ऐतिहासिक, अभूतपूर्व और विश्वव्यापी था। इसका सजीव प्रसारण संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भी किया गया। साथ ही, 'मन की बात' 22 भारतीय भाषाओं व 29 बोलियों समेत फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, अरबी, पश्तु, फ़ारसी, तिब्बती सहित 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित की गयी। कार्यक्रम का प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो के 500 से अधिक स्टेशनों से किया गया।

'कमल संदेश' के सुधी पाठकों के लिए 'मन की बात' की 100वीं कड़ी का पूरा पाठ हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार। आज 'मन की बात' का सौवां एपिसोड है। मुझे आप सबकी हजारों चिट्ठियां मिली हैं, लाखों सन्देश मिले हैं और मैंने कोशिश की है कि ज्यादा से ज्यादा चिट्ठियों को पढ़ पाऊं, देख पाऊं, संदेशों को जरा समझने की कोशिश करूं। आपके पत्र पढ़ते हुए कई बार मैं भावुक हुआ, भावनाओं से भर गया, भावनाओं में बह गया और खुद को फिर सम्भाल भी लिया। आपने मुझे 'मन की बात' के सौवें एपिसोड पर बधाई दी है लेकिन मैं सच्चे दिल से कहता हूं, दरअसल बधाई के पात्र तो आप सभी 'मन की बात' के श्रोता हैं, हमारे देशवासी हैं। 'मन की बात' कोटि-कोटि भारतीयों के 'मन की बात' है, उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है।

साथियो, 3 अक्टूबर, 2014, विजय दशमी का वो पर्व था और हम सबने मिलकर विजय दशमी के दिन 'मन की बात' की यात्रा शुरू की थी। विजय दशमी यानी बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व। 'मन की बात' भी देशवासियों की अच्छाइयों का, सकारात्मकता का, एक अनोखा पर्व बन गया है। एक ऐसा पर्व जो हर महीने आता है, जिसका इंतजार हम सभी को होता है। हम इसमें पाजिटिविटी को सेलिब्रेट करते हैं। हम इसमें लोगों की सहभागिता को भी सेलिब्रेट करते हैं। कई बार यकीन नहीं होता कि 'मन की बात' को इतने महीने और इतने साल गुजर गए। हर एपिसोड अपने आप में खास रहा। हर बार नए उदाहरणों की नवीनता, हर बार देशवासियों की नई सफलताओं का विस्तार। 'मन की बात' में पूरे देश के कोने-कोने से लोग जुड़े, हर आयु-वर्ग के लोग जुड़े। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ की बात हो, स्वच्छ भारत आंदोलन हो, खादी के प्रति प्रेम हो या प्रकृति की बात, आजादी का अमृत महोत्सव हो या फिर अमृत सरोवर की बात, 'मन की बात' जिस विषय से जुड़ा, वो जन-आंदोलन बन गया

'मन की बात' ने समाज में एक परिवर्तनकारी बदलाव का नेतृत्व किया है —जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

"कर्नाटक के होन्नाली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' की 100वीं कड़ी सुनी। 'मन की बात' ने जन-जीवन से जुड़ी कहानियों को लोकप्रिय बनाकर राष्ट्र कल्याण हेतु प्रेरणादायक समाधान देकर समाज में एक परिवर्तनकारी बदलाव का नेतृत्व किया है।"

और आप लोगों ने बना दिया। जब मैंने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ साझा 'मन की बात' की थी, तो इसकी चर्चा पूरे विश्व में हुई थी।

'मन की बात' दूसरों के गुणों से सीखने का बहुत बड़ा माध्यम बन गयी है

साथियो, 'मन की बात' मेरे लिए तो दूसरों के गुणों की पूजा करने की तरह ही रहा है। मेरे एक मार्गदर्शक थे, श्री लक्ष्मणराव जी ईनामदार। हम उनको वकील साहब कहा करते थे। वो हमेशा कहते थे कि हमें दूसरों के गुणों की पूजा करनी चाहिए। सामने कोई भी हो, आपके साथ का हो, आपका विरोधी हो, हमें उसके अच्छे गुणों को जानने का, उनसे सीखने का प्रयास करना चाहिए। उनकी इस बात ने मुझे हमेशा प्रेरणा दी है। 'मन की बात' दूसरों के गुणों से सीखने का बहुत बड़ा माध्यम बन गयी है।

मेरे प्यारे देशवासियो, इस कार्यक्रम ने मुझे कभी भी आपसे दूर नहीं होने दिया। मुझे याद है जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तो वहां सामान्य जन से मिलना-जुलना स्वाभाविक रूप से हो ही जाता था। मुख्यमंत्री का कामकाज और कार्यकाल ऐसा ही होता है, मिलने जुलने के अवसर बहुत मिलते ही रहते हैं, लेकिन 2014 में दिल्ली आने के बाद मैंने पाया कि यहां का जीवन तो बहुत ही अलग है। काम का स्वरूप अलग, दायित्व अलग, स्थितियां-परिस्थितियों के बंधन, सुरक्षा का तामझाम, समय की सीमा। शुरुआती दिनों में कुछ अलग महसूस करता था, खाली-खाली सा महसूस करता था। पचासों साल पहले मैंने अपना घर इसलिए नहीं छोड़ा था कि एक दिन अपने ही देश के लोगों से संपर्क ही मुश्किल हो जायेगा। जो देशवासी मेरा सब कुछ है, मैं उनसे ही कट करके जी नहीं सकता

'मन की बात' के श्रोताओं के फीडबैक व दी गयी प्रतिक्रिया पर आईआईएम, रोहतक द्वारा किया गया एक विश्लेषण

मन की बात की पहुंच

- मन की बात के बारे में लगभग 96% लोग जानते हैं।
- 100 करोड़ से अधिक लोगों ने इसे कम से कम एक बार सुना है।
- 23 करोड़ लोगों ने इस कार्यक्रम को नियमित रूप से देखा/सुना है।

समाज पर सकारात्मक प्रभाव

- मन की बात लोगों के व्यवहार, सोच और मानसिकता को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।
- 60% ने राष्ट्र निर्माण के लिए काम करने में रुचि दिखाई है।
- 55% देश के एक जिम्मेदार नागरिक बनने की पुष्टि करते हैं।
- 63% का मानना है कि सरकार के प्रति उनका दृष्टिकोण सकारात्मक हो गया है।
- 59% को लगता है कि सरकार पर उनका भरोसा बढ़ा है।
- 58% ने व्यक्त किया कि उनके रहने की स्थिति में सुधार हुआ है।
- 73% सरकार के कामकाज और देश की प्रगति के बारे में आशावादी महसूस करते हैं।

सर्वाधिक लोकप्रिय विषय

- भारत की वैज्ञानिक उपलब्धि
- जन जीवन से जुड़ी कहानियां
- सशस्त्र बलों की वीरता
- युवाओं से संबंधित मुद्दे
- पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों से संबंधित विषय

भारत के माननीय प्रधानमंत्री की संप्रेषण शैली का प्रभाव

- दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव।
- शक्तिशाली और निर्णायक नेतृत्व पर विश्वास बढ़ना।
- विभिन्न मुद्दों पर सहानुभूतिपूर्ण और उदार दृष्टिकोण का विकास।
- प्रेरक कहानियों के माध्यम से लोगों का मार्गदर्शन करना और उनके साथ सीधा संवाद।

था। 'मन की बात' ने मुझे इस चुनौती का समाधान दिया, सामान्य मानवी से जुड़ने का रास्ता दिया। पदभार और प्रोटोकॉल व्यवस्था तक ही सीमित रहा और जनभाव, कोटि-कोटि जनों के साथ मेरे भाव विश्व का अटूट अंग बन गया। हर महीने में देश के लोगों के हजारों संदेशों को पढ़ता हूं, हर महीने में देशवासियों के एक से एक अद्भुत स्वरूप के दर्शन करता हूं। मैं देशवासियों के तप-त्याग की पराकाष्ठा को देखता हूं, महसूस करता हूं। मुझे लगता ही नहीं है कि मैं आपसे थोड़ा भी दूर हूं। मेरे लिए 'मन की बात' ये एक कार्यक्रम नहीं है, मेरे लिए एक आस्था, पूजा, व्रत है। जैसे लोग ईश्वर की पूजा करने जाते हैं, तो प्रसाद की थाल लाते हैं।

'मन की बात' स्व से समष्टि की यात्रा है

मेरे लिए 'मन की बात' ईश्वर रूपी जनता जनार्दन के चरणों में प्रसाद की थाल की तरह है। 'मन की बात' मेरे मन की आध्यात्मिक यात्रा बन गयी है।

'मन की बात' स्व से समष्टि की यात्रा है।

'मन की बात' अहम् से वयम् की यात्रा है।

यह तो मैं नहीं तू ही इसकी संस्कार साधना है।

आप कल्पना करिए, मेरा कोई देशवासी 40-40 साल से निर्जन पहाड़ी और बंजर जमीन पर पेड़ लगा रहा है, कितने ही लोग 30-30 साल से जल-संरक्षण के लिए बावड़ियां और तालाब बना रहे हैं, उसकी साफ़-सफाई कर रहे हैं। कोई 25-30 साल से निर्धन बच्चों को पढ़ा रहा है, कोई गरीबों की इलाज में मदद कर रहा है। कितनी ही बार 'मन की बात' में इनका जिक्र करते हुए मैं भावुक हो गया हूं। आकाशवाणी के साथियों को कितनी ही बार इसे फिर से रिकॉर्ड करना पड़ा है। आज, पिछला कितना ही कुछ, आंखों के सामने आए जा रहा है। देशवासियों के इन प्रयासों ने मुझे लगातार खुद को खपाने की प्रेरणा दी है।

साथियो, 'मन की बात' में जिन लोगों का हम ज़िक्र करते हैं वे सब हमारे हीरो हैं जिन्होंने इस कार्यक्रम को जीवंत बनाया है। आज जब हम 100वें एपिसोड के पड़ाव पर पहुंचे हैं, तो मेरी ये भी इच्छा है कि हम एक बार फिर इन सारे हीरो के पास जाकर उनकी यात्रा के बारे में जानें। आज हम कुछ साथियों से बात भी करने की कोशिश करेंगे। मेरे साथ जुड़ रहे हैं हरियाणा के भाई सुनील जगलान जी। सुनील जगलान जी का मेरे मन पर इतना प्रभाव इसलिए पड़ा, क्योंकि हरियाणा में लिंग अनुपात पर काफी चर्चा होती थी और मैंने भी 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' का अभियान हरियाणा से ही शुरू किया था। और इसी बीच जब सुनील जी के 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान पर मेरी नजर पड़ी, तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने भी उनसे सीखा और इसे 'मन की बात' में शामिल किया। देखते ही देखते 'सेल्फी विद डॉटर' एक वैश्विक अभियान में बदल गया और इसमें मुद्दा सेल्फी नहीं थी, टेक्नोलॉजी नहीं थी, इसमें डॉटर को, बेटी को प्रमुखता दी गयी थी। जीवन में बेटी का स्थान कितना बड़ा होता है, इस अभियान से यह भी प्रकट हुआ। ऐसे ही अनेक प्रयासों का परिणाम है कि आज हरियाणा में लिंग अनुपात में सुधार आया है। आइये आज सुनील जी से ही कुछ गप मार लेते हैं।

प्रधानमंत्री जी–नमस्कार सुनील जी,

सुनील जी–नमस्कार सर, मेरी खुशी बहुत बढ़ गई है सर आपकी आवाज़ सुनकर।

मन की बात : कुछ प्रमुख तथ्य

- पहला प्रसारण 3 अक्टूबर, 2014 को विजयादशमी के अवसर पर किया गया।
- पहला प्रसारण अत्यंत सफल रहा और लगभग 66.7 प्रतिशत लोगों ने इसे सुना तथा इसे उपयोगी पाया।
- पहले प्रसारण में श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रोताओं से महात्मा गांधी के रास्ते पर चलने और खादी पहनने को कहा। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, मंगल मिशन, कौशल विकास और अपनी वेबसाइट के विषयों पर चर्चा की।
- दूसरा कार्यक्रम 2 नवंबर, 2014 को प्रसारित किया गया, जिसमें कई सरकारी पहलों और स्वच्छ भारत अभियान की सफलता पर चर्चा की गई।
- गणतंत्र दिवस के एक दिन बाद 27 जनवरी, 2015 को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा ने शो की सह-मेजबानी की। श्री ओबामा ने अमेरिकी नीतियों और उनके प्रभावों को साझा किया।
- 'मन की बात' फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू और फारसी सहित 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित की जाती है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थायी मिशन ने 30 अप्रैल को ट्वीट किया, "संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, न्यूयॉर्क स्थित ट्रस्टीशिप काउंसिल का विशेष क्षण, जहां मन की बात की 100वीं कड़ी का सजीव प्रसारण हुआ, जिससे सभी प्रेरित और प्रभावित हुए।"

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थायी मिशन

"प्रिय प्रधानमंत्री, यूनेस्को की ओर से मैं 'मन की बात' रेडियो प्रसारण की 100वीं कड़ी का हिस्सा बनने के लिए आपको धन्यवाद देती हूं। यूनेस्को और भारत का एक लंबा साझा इतिहास रहा है। शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और सूचना समेत हमारे सभी क्षेत्रों में यूनेस्को और भारत की एक बहुत मजबूत भागीदारी है।"

यूनेस्को महानिदेशक ऑड्रे एज़ोले

मोदीजी ने भारत के सामाजिक लोकतंत्र को मज़बूत करने का काम किया है: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुंबई में 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड को सुना। अपने ट्वीट्स के माध्यम से श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के आज 100 एपिसोड पूरे हुए, जिसने प्रभावी नेतृत्व के शानदार उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। आज मुंबई में मन की बात के 100वें एपिसोड को सुना। मोदीजी ने मन की बात के माध्यम से छोटे-छोटे प्रयोग कर समाज को सही और सकारात्मक दिशा देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं की जानकारी देशभर में पहुंचाकर एक बेहतर भविष्य का निर्माण करने के लिए युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का काम किया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदीजी का संदेश जनता और सरकार के बीच पुल का काम करते हुए देश के कोने-कोने तक पहुंचा है। मोदीजी ने विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और बोलियों के बारे में संवाद के माध्यम से भारत के सामाजिक लोकतंत्र को मज़बूत करने का काम किया है।

प्रधानमंत्री जी–सुनील जी 'सेल्फी विद डॉटर' हर किसी को याद है...अब जब इसकी फिर चर्चा हो रही है तो आपको कैसा लग रहा है।

सुनील जी–प्रधानमंत्री जी, ये असल में आपने जो हमारे प्रदेश हरियाणा से पानीपत की चौथी लड़ाई बेटियों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने के लिए शुरू की थी, जिसे आपके नेतृत्व में पूरे देश ने जितने की कोशिश की है तो वाकई ये मेरे लिए और हर बेटी के पिता और बेटियों को चाहने वालों के लिए बहुत बड़ी बात है।

प्रधानमंत्री जी–सुनील जी अब आपकी बिटिया कैसी है, आज कल क्या कर रही हैं?

सुनील जी–जी मेरी बेटियां नंदनी और याचिका है एक 7वीं कक्षा में पढ़ रही है एक 4वीं कक्षा में पढ़ रही है और आपकी बड़ी प्रशंसक है। असल में उन्होंने और उनकी सहपाठियों ने आपके लिए थैंक्यू प्राइम मिनिस्टर वाले लेटर भी लिखवाए थे।

'मन की बात' मोदीजी की आध्यात्मिक यात्रा रही है: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भाजपा मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' की 100वीं कड़ी को सुना और इसे 'ऐतिहासिक' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आपसी विश्वास और विकास को मजबूत करने के साथ-साथ रेडियो के माध्यम से लोगों को जोड़ता है। श्री सिंह ने ट्वीट किया कि आज केंद्रीय कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम की ऐतिहासिक 100वीं कड़ी सुनी। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि जहां तक जनता से संवाद का सवाल है तो 'मन की बात' दुनिया में अद्वितीय है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मन की बात वास्तव में मोदीजी की आध्यात्मिक यात्रा रही है।

प्रधानमंत्री जी–वाह वाह! अच्छा बिटिया को आप मेरा और मन की बात के श्रोताओं का खूब सारा आशीर्वाद दीजिये।

सुनील जी–बहुत-बहुत शुक्रिया जी, आपकी वजह से देश की बेटियों के चेहरे पर लगातार मुस्कान बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री जी–बहुत-बहुत धन्यवाद सुनील जी।

सुनील जी–जी शुक्रिया।

हमने देश की नारी शक्ति की सैकड़ों प्रेरणादायी गाथाओं का जिक्र किया है

साथियो, मुझे इस बात का बहुत संतोष है कि 'मन की बात' में हमने देश की नारी शक्ति की सैकड़ों प्रेरणादायी गाथाओं का जिक्र किया है। चाहे हमारी सेना हो या फिर खेल जगत हो, मैंने जब भी महिलाओं की उपलब्धियों पर बात की है, उसकी खूब प्रशंसा हुई है। जैसे हमने छत्तीसगढ़ के देउर गांव की महिलाओं की चर्चा की थी। ये महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के जरिए गांव के चौराहों, सड़कों और मंदिरों के सफाई के लिए अभियान चलाती हैं। ऐसे ही तमिलनाडु की वो आदिवासी महिलाएं, जिन्होंने हज़ारों इको फ्रेंडली Terracotta Cups (टेराकोटा कप्स) निर्यात किए, उनसे भी देश ने खूब प्रेरणा

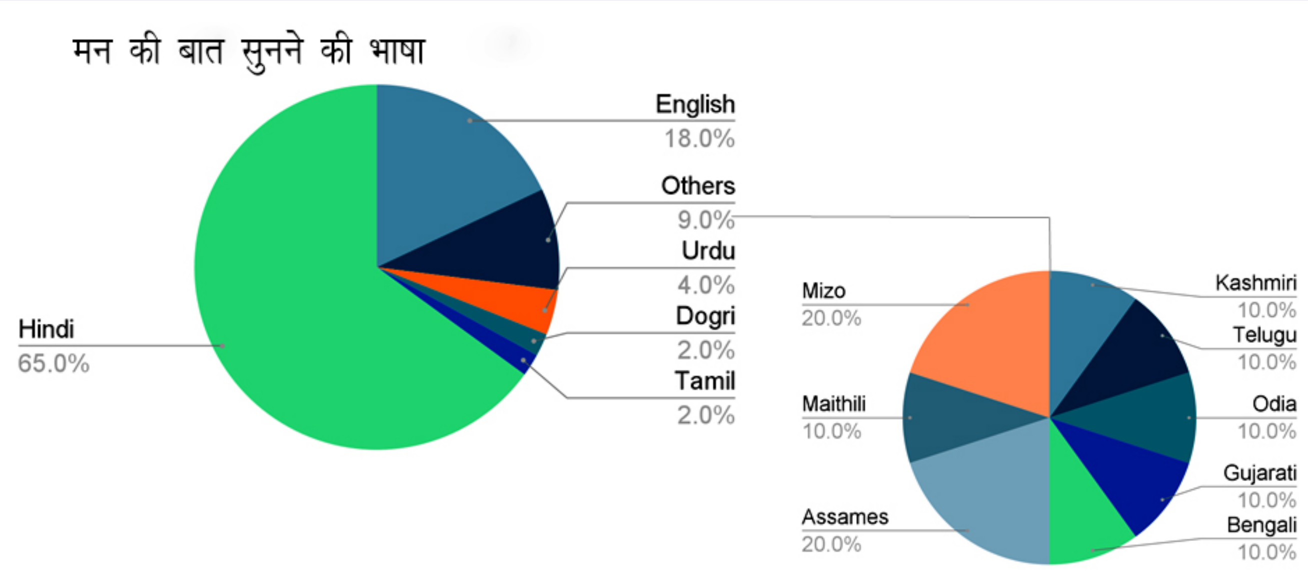

ली। तमिलनाडु में ही 20 हजार महिलाओं ने साथ आकर वेल्लोर में नाग नदी को पुनर्जीवित किया था। ऐसे कितने ही अभियानों को हमारी नारी-शक्ति ने नेतृत्व दिया है और 'मन की बात' उनके प्रयासों को सामने लाने का मंच बना है।

साथियो, अब हमारे साथ फोन लाइन पर एक और सज्जन मौजूद हैं। इनका नाम है, मंजूर अहमद। 'मन की बात' में जम्मू-कश्मीर की Pencil Slates (पेन्सिल स्लेट्स) के बारे में बताते हुए मंजूर अहमद जी का जिक्र हुआ था।

प्रधानमंत्री जी–मंजूर जी, कैसे हैं आप?

मंजूर जी–थैंक्यू सर...बड़े अच्छे से हैं सर।

प्रधानमंत्री जी–मन की बात के इस 100 वें एपिसोड में आपसे बात करके मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

मंजूर जी–थैंक्यू सर।

प्रधानमंत्री जी–अच्छा ये पेंसिल- स्लेट्स वाला काम कैसा चल रहा है?

मंजूर जी–बहुत अच्छे से चल रहा है सर बहुत अच्छे से। जब से सर आपने हमारी बात, 'मन की बात' में कही सर तब से बहुत काम बढ़ गया सर और दूसरों को भी रोज़गार यहां बहुत बढ़ा है इस काम में।

प्रधानमंत्री जी–कितने लोगों को अब रोज़गार मिलता होगा?

मंजूर जी–अभी मेरे पास 200 प्लस है...

प्रधानमंत्री जी–अरे वाह! मुझे बहुत खुशी हुई।

मंजूर जी–जी सर..जी सर...अभी एक दो महीनें में इसका विस्तार कर रहा हूं और 200 लोगों को रोज़गार बढ़ जाएगा सर।

प्रधानमंत्री जी–वाह-वाह! देखिये मंजूर जी...

मंजूर जी–जी सर...

प्रधानमंत्री जी–मुझे बराबर याद है और उस दिन आपने मुझे कहा था कि ये एक ऐसा काम है जिसकी न कोई पहचान है, न स्वयं की पहचान है, और आपको बड़ी पीड़ा भी थी और इस वजह से आपको बड़ी मुश्किलें होती थी वो भी आप कह रहे थे, लेकिन अब तो पहचान भी बन गई और 200 से ज़्यादा लोगों को रोज़गार दे रहे हैं।

मंजूर जी–जी सर... जी सर।

प्रधानमंत्री जी–और नए एक्सपेंशन करके और 200 लोगों को रोज़गार दे रहे हैं, ये तो बहुत खुशी की खबर दी आपने।

मंजूर जी–सर, यहां पर जो किसान हैं सर उनका भी बहुत बड़ा इसमें फायदा मिला सर तब से। 2000 का पेड़ बेचते थे अभी वही पेड़ 5000 तक पहुंच गया सर। इतनी मांग बढ़ गई है इसमें तब से...और इसमें अपनी पहचान भी बन गई है इसमें बहुत से ऑर्डर हैं अपने पास सर, अभी मै आगे एक-दो महीनें में और विस्तार करके और दो-ढाई, सौ दो-चार गांव में जितने भी लड़के-लड़कियां हैं इसमें एडजस्ट हो सकते हैं उनका भी रोज़ी-रोटी चल सकती है सर।

प्रधानमंत्री जी–देखिये मंजूर जी, वोकल फॉर लोकल की ताकत कितनी जबरदस्त है आपने धरती पर उतारकर दिखा दिया है।

मंजूर जी–जी सर।

प्रधानमंत्री जी–मेरी तरफ से आपको और गांव के सभी किसानों को और आपके साथ काम कर रहे सभी साथियों को भी मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनाएं, धन्यवाद भैया।

मंजूर जी–धन्यवाद सर।

'मेक इन इंडिया' से लेकर स्पेस स्टार्ट-अप्स तक की चर्चा हुई

साथियो, हमारे देश में ऐसे कितने ही प्रतिभाशाली लोग हैं, जो अपनी मेहनत के बलबूते ही सफलता के शिखर तक पहुंचे हैं। मुझे याद है, विशाखापट्नम के वेंकट मुरली प्रसाद जी ने एक आत्मनिर्भर

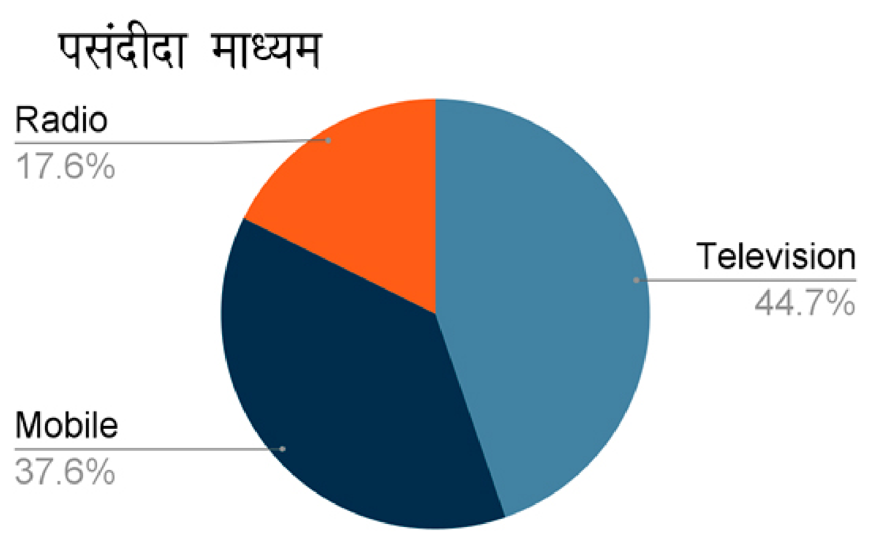

भारत चार्ट शेयर किया था। उन्होंने बताया था कि वो कैसे ज्यादा से ज्यादा भारतीय उत्पादों ही इस्तेमाल करेंगे। जब बेतिया के प्रमोद जी ने एलईडी बल्ब बनाने की छोटी यूनिट लगाई या गढ़मुक्तेश्वर के संतोष जी ने मैट बनाने का काम किया, 'मन की बात' ही उनके उत्पादों को सबके सामने लाने का माध्यम बना। हमने मेक इन इंडिया के अनेक उदाहरणों से लेकर स्पेस स्टार्ट-अप्स तक की चर्चा 'मन की बात' में की है।

साथियो, आपको याद होगा, कुछ एपिसोड पहले मैंने मणिपुर की बहन विजयशांति देवी जी का भी जिक्र किया था। विजयशांति जी कमल के रेशों से कपड़े बनाती हैं। 'मन की बात' में उनके इस अनोखे ईकोफ्रेंडली आइडिया की बात हुई तो उनका काम और लोकप्रिय हो गया। आज विजयशांति जी फ़ोन पर हमारे साथ हैं।

प्रधानमंत्री जी–नमस्ते विजयशांति जी! आप कैसे हैं?

विजयशांति जी–सर, मैं ठीक हूं।

प्रधानमंत्री जी–और आपका काम कैसा चल रहा है?

विजयशांति जी–सर, अभी भी 30 महिलाओं के साथ काम कर रहा हूं।

प्रधानमंत्री जी–इतने कम समय में आपकी टीम 30 लोगों की हो गई!

विजयशांति जी–हां सर, इस साल और भी विस्तार होगा और मेरे क्षेत्र की 100 महिलाएं जुड़ेंगी।

प्रधानमंत्री जी–तो आपका लक्ष्य 100 महिलाएं हैं।

विजयशांति जी–हां, 100 महिलाएं हैं।

प्रधानमंत्री जी–और अब लोग इस लोटस स्टेम फाइबर से परिचित हैं।

विजयशांति जी–हां सर, हर कोई भारत में 'मन की बात' कार्यक्रम से जानता है।

प्रधानमंत्री जी–तो अब यह बहुत लोकप्रिय है।

विजयशांति जी–हां सर, प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम से हर कोई लोटस फाइबर के बारे में जानता है।

प्रधानमंत्री जी–तो अब आपको भी बाजार मिल गया है?

विजयशांति जी–हां, मुझे यूएसए से एक बाजार मिला है, वे भी बहुत मात्रा में थोक में खरीदना चाहते हैं। मैं इस साल यू.एस. भी भेजना चाहता हूं।

प्रधानमंत्री जी–तो, अब आप निर्यातक हैं?

विजयशांति जी–हां सर, इस वर्ष से मैं भारत में लोटस फाइबर से बनाए गए उत्पाद का निर्यात करता हूं।

प्रधानमंत्री जी–इसलिए, जब मैं कहता हूं वोकल फॉर लोकल और अब लोकल फॉर ग्लोबल।

विजयशांति जी–हां सर, मैं पूरी दुनिया में अपना उत्पाद पहुंचाना चाहता हूं।

प्रधानमंत्री जी–इसलिए आपको बधाई और शुभकामनाएं।

विजयशांति जी–धन्यवाद सर।

प्रधानमंत्री जी–धन्यवाद, धन्यवाद विजयशांति।

विजयशांति जी–धन्यवाद सर।

साथियो, 'मन की बात' के एक और विशेषता रही है। 'मन की बात' के जरिए कितने ही जन-आंदोलन ने जन्म भी लिया है और गति भी पकड़ी है। जैसे हमारे खिलौने, हमारी खिलौना उद्योग को फिर से स्थापित करने का मिशन'मन की बात' से ही तो शुरू हुआ था। भारतीय नस्ल के श्वान हमारे देशी डॉग्स उसको लेकर जागरूकता बढ़ाने की शुरुआत भी तो 'मन की बात' से ही की थी। हमने एक और मुहिम शुरू की थी कि हम ग़रीब छोटे दुकानदारों से मोलभाव नहीं करेंगे, झगड़ा नहीं करेंगे। जब 'हर घर तिरंगा' मुहिम शुरू हुई, तब भी 'मन की बात' ने देशवासियों को इस संकल्प से जोड़ने में खूब भूमिका निभाई। ऐसे हर उदाहरण, समाज में बदलाव का कारण बने हैं। समाज को प्रेरित करने का ऐसे ही बीड़ा प्रदीप सांगवान जी ने भी उठा रखा है। 'मन की बात' में हमने प्रदीप सांगवान जी के 'हीलिंग हिमालयाज़' अभियान की चर्चा की थी। वो फ़ोनलाइन पर हमारे साथ हैं।

मोदी जी–प्रदीप जी नमस्कार!

प्रदीप जी–सर जय हिन्द।

मोदी जी–जय हिन्द, जय हिन्द, भईया! कैसे हैं आप?

प्रदीप जी–सर बहुत बढ़िया। आपकी आवाज सुनकर और भी अच्छा।

मोदी जी–आपने हिमालय को Heal करने की सोची।

प्रदीप जी–हां जी सर।

मन की बात के 100वें एपिसोड की प्रमुख बातें

मन की बात का इंडिया कनेक्ट

- मन की बात का प्रसारण 23 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों में किया गया।
- दिल्ली में लाल किला और मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया जैसे प्रतिष्ठित विरासत स्थलों पर विशेष प्रोजेक्शन मैपिंग शो आयोजित किए गए।
- मुंबई में प्रसिद्ध डब्बावालों के लिए और महिला जेलों में एक विशेष प्रसारण की व्यवस्था की गई थी।
- उत्तर प्रदेश में 300 से अधिक मदरसों में रेडियो कार्यक्रम को सुनने की व्यवस्था की गयी।
- आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों द्वारा मन की बात का प्रसारण किया गया।
- देश भर के राजभवनों में दूरदर्शन द्वारा 100वें एपिसोड का सीधा प्रसारण किया गया।
- मन की बात पर छवि साझा करने वाले भारत के शीर्ष 5 राज्य बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, असम और झारखंड थे।
- शीर्ष 5 निर्वाचन क्षेत्र अररिया, पूर्वी चंपारण, सूरत, राजकोट और सीतामढ़ी हैं।

100वें एपिसोड का डिजिटल प्रभाव

- नमो ऐप पर मन की बात मॉड्यूल पर कुल 14.51 लाख चित्र अपलोड किए गए। प्रत्येक चित्र में औसतन लगभग 50-100 लोग हैं। डिडुप्लीकेशन के बाद नमो ऐप पर अपलोड किए गए लोगों की कुल संख्या 10 करोड़ से अधिक होगी, जिन्होंने मन की बात@100 को सुना है।
- ट्विटर पर 9 लाख से ज्यादा ट्वीट और एक अरब से ज्यादा इंप्रेशन प्राप्त हुए।
- मन की बात मॉड्यूल पर तस्वीरें अपलोड करने की भारी मांग के कारण नमो ऐप के लिंक को फिर से सक्रिय कर दिया गया।
- पूरे दिन सोशल मीडिया पर #MannKiBaat100 ट्रेंड करता रहा।
- भारत के बाद सबसे अधिक अपलोड की गई छवियां संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, इराक, आयरलैंड, सऊदी अरब, ईरान, इज़राइल और अल्बानिया से थीं।
- वर्ल्ड क्लॉउड के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को बार-बार सुना गया, 'मन की बात', 'प्रधानमंत्री', 'धन्यवाद', 'देश', 'जनता', 'आज'।

मन की बात की वैश्विक पहुंच

- मन की बात का 100वां एपिसोड वैश्विक हो गया। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में मन की बात के 100वें एपिसोड का सीधा प्रसारण किया जा रहा था।
- 'मन की बात' के संबंध में यूनेस्को डीजी ऑड्रे अज़ोले का विशेष संदेश।
- मन की बात के 100वें एपिसोड के बारे में बिल गेट्स ने ट्वीट किया।

> **Bill Gates** @BillGates
>
> Mann ki Baat has catalyzed community led action on sanitation, health, women's economic empowerment and other issues linked to the Sustainable Development Goals. Congratulations @narendramodi on the 100th episode.

- भारत में जापान के राजदूत, हिरोशी सुजुकी ने मन की बात के 100वें एपिसोड पर बधाई दी।

> **Hiroshi Suzuki, Ambassador of Japan** @HiroSuzukiAmbJP · May 2
>
> Congratulations on the 100th episode of **Mann Ki Baat**, PM @narendramodi. The program, as our late Japanese PM Shinzo Abe wrote in the preface to the book '**Mann Ki Baat**: A Social Revolution on Radio', reflects PM Modi's "strong passion for dialogue". #MannKiBaat100

भारतीय प्रवासी और मन की बात

100वें प्रसारण से भारतीय प्रवासी भी बड़ी संख्या में जुड़े।

> **Indian diaspora across US celebrates 100th episode of PM Modi's 'Mann Ki Baat'**
>
> ANI / May 1, 2023, 08:48 IST

> Indian Diaspora in London excited to host special broadcast of 100th episode of PM's 'Mann ki Baat'
>
> ANI News · 2.12M subscribers

> **New Zealand: Over 100 women from Indian diaspora celebrate centennial episode of 'Mann Ki Baat'**
>
> ANI 30 April, 2023 05:16 pm IST

> Home / India News / 'Sada sukhi raho': 100-year-old Gujarat woman in New Zealan...
>
> **'Sada sukhi raho': 100-year-old Gujarat woman in New Zealand blesses PM Modi during 100th 'Mann Ki Baat' episode**
>
> By Yagya Sharma
>
> Apr 30, 2023 04:06 PM IST

Australia: OFBJP organised "Mann Ki Baat" at 100 locations all over the country

This special program was organised on the occasion of the 100th episode of the radio program 'Mann Ki Baat'.

मन की बात का सफर

- 2014 से 2020 (सितंबर) तक मन की बात के माध्यम से उत्पन्न कुल राजस्व 7.30 करोड़ रुपये के व्यय के मुकाबले 30.28 करोड़ रुपये है।
- मन की बात के 100 एपिसोड में 730 प्रेरक कहानियां और 281 निजी संगठनों (जैसे एनजीओ, एसएचजी और गांवों) का उल्लेख किया गया था।

आईआईएम, रोहतक द्वारा सर्वेक्षण किया गया था, सर्वेक्षण के अनुसार निम्नलिखित निष्कर्ष सामने आए:

- यह कार्यक्रम 100 करोड़ लोगों तक पहुंचा है, जिन्होंने कम से कम एक बार कार्यक्रम को सुना है।
- मन की बात के 100 एपिसोड में 339 बार स्वच्छता संबंधी अन्य शब्दों का उल्लेख किया गया
- कोविड महामारी के आरंभ यानी मार्च 2020 से 'कोरोना' शब्द का 232 बार उल्लेख किया गया था।
- महात्मा गांधी वर्षों से सबसे अधिक चर्चा का विषय रहे हैं, इस कार्यक्रम के 99 एपिसोड में उनकी (बापू और गांधीजी) 255 बार चर्चा की गयी।

मोदी जी–अभियान भी चलाया। आजकल आपका कैंपेन कैसा चल रहा है?

प्रदीप जी–सर बहुत अच्छा चल रहा है। 2020 से ऐसा मानिये कि जितना काम हम पांच साल में करते थे अब वो एक साल में हो जाता है।

मोदी जी–अरे वाह!

प्रदीप जी–हां जी, हां जी, सर। शुरुआत बहुत नर्वस हुई थी, बहुत डर था इस बात को लेके कि जिंदगी भर ये कर पाएंगे कि नहीं कर पाएंगे। पर थोड़ा सपोर्ट मिला और 2020 तक हम बहुत संघर्ष भी कर रहे थे ईमानदारी से। लोग बहुत कम जुड़ रहे थे बहुत सारे ऐसे लोग थे जो कि सपोर्ट नहीं कर पा रहे थे। हमारी मुहिम को इतना तवज्जो भी नहीं दे रहे थे। लेकिन 2020 के बाद जब 'मन की बात' में जिक्र हुआ उसके बाद बहुत सारी चीजें बदल गईं। मतलब पहले हम साल में 6-7 सफाई अभियान कर पाते थे, 10 सफाई अभियान कर पाते थे। आज की तारीख में हम रोजाना पांच टन कचरा इक्कठा करते हैं। अलग-अलग स्थानों से।

मोदी जी–अरे वाह!

प्रदीप जी–'मन की बात' में जिक्र होने के बाद आप सर विश्वास करें मेरी बात को कि मैं छोड़ देने की स्थिति में था, एक टाइम पर और उसके बाद फिर बहुत सारा बदलाव आया मेरे जीवन में और चीजें इतनी speed-up हो गईं कि जो चीजें हमने सोची नहीं थी। इसलिए मैं आपका बहुत आभारी हूं कि पता नहीं कैसे हमारे जैसे लोगों को आप ढूंढ़ लेते हैं। कौन इतनी दूर-दराज एरिया में काम करता है हिमालय के क्षेत्र में जाके बैठ के हम काम कर रहे हैं। इस ऊंचाई पर हम काम कर रहे हैं। वहां पर आपने ढूंढ़ा हमें। हमारे काम को दुनिया के सामने ले के आये। तो मेरे लिए बहुत भावनात्मक क्षण था तब भी और आज भी कि मैं जो हमारे देश के जो प्रथम सेवक हैं उनसे मैं बातचीत कर पा रहा हूं। मेरे लिए इससे बड़े सौभाग्य की बात नहीं हो सकती।

मोदी जी–प्रदीप जी! आप तो हिमालय की चोटियों पर सच्चे अर्थ में साधना कर रहे हैं और मुझे पक्का विश्वास है अब आपका नाम सुनते ही लोगों को याद आ जाता है कि आप कैसे पहाड़ों की स्वच्छता अभियान में जुड़े हैं।

प्रदीप जी–हां जी सर।

मोदी जी–और जैसा आपने बताया कि अब तो बहुत बड़ी टीम बनती जा रही है और आप इतनी बड़ी मात्रा में रोजाना काम कर रहे हैं।

प्रदीप जी–हां जी सर।

मोदी जी–और मुझे पूरा विश्वास है कि आपके इन प्रयासों से, उसकी चर्चा से, अब तो कितने ही पर्वतारोही स्वच्छता से जुड़े फ़ोटो पोस्ट करने लगे हैं।

प्रदीप जी–हां जी सर! बहुत।

मोदी जी–ये अच्छी बात है, आप जैसे साथियों के प्रयास के कारण कचरा भी एक धन है ये लोगों के दिमाग में अब स्थिर हो रहा है और पर्यावरण की भी रक्षा अब हो रही है और हिमालय का जो हमारा गर्व है उसको संभालना, संवारना और सामान्य मानवी भी जुड़ रहा है। प्रदीप जी बहुत अच्छा लगा मुझे। बहुत-बहुत धन्यवाद भईया।

प्रदीप जी–धन्यवाद सर आपको बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द।

साथियो, आज देश में पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हमारे ये प्राकृतिक संसाधन हों, नदियां, पहाड़, तालाब या फिर हमारे तीर्थ स्थल हों, उन्हें साफ़ रखना बहुत ज़रूरी है। ये पर्यटन उद्योग की बहुत मदद करेगा। पर्यटन में स्वच्छता के साथ-साथ हमने अतुल्य भारत अभियान की भी कई बार चर्चा की है। इस अभियान से लोगों को पहली बार ऐसे कितनी ही जगहों के बारे में पता चला, जो उनके आस-पास ही थे। मैं हमेशा ही कहता हूं कि हमें विदेशों में पर्यटन पर जाने से पहले हमारे देश के कम से कम 15 पर्यटन स्थल पर जरुर जाना चाहिए और यह स्थल जिस राज्य में आप रहते हैं, वहां के नहीं होने चाहिए, आपके राज्य से बाहर किसी अन्य राज्य के होने

चाहिए। ऐसे ही हमने स्वच्छ सियाचिन, एकल उपयोग प्लास्टिक और ई-कचरा जैसे गंभीर विषयों पर भी लगातार बात की है। आज पूरी दुनिया पर्यावरण के जिस मुद्दा को लेकर इतना परेशान है, उसके समाधान में 'मन की बात' का ये प्रयास बहुत अहम है।

साथियो, 'मन की बात' को लेकर मुझे इस बार एक और खास संदेश यूनेस्को की डीजी औद्रे ऑज़ुले (Audrey Azoulay) का आया है। उन्होंने सभी देशवासियों को सौ एपिसोड्स (100th Episodes) की इस शानदार यात्रा के लिये शुभकामनायें दी हैं। साथ ही, उन्होंने कुछ सवाल भी पूछे हैं। आइये, पहले यूनेस्को की डीजी के मन की बात सुनते हैं।

#ऑडियो (यूनेस्को डीजी)#

डीजी यूनेस्को—नमस्ते महामहिम, प्रिय प्रधानमंत्री यूनेस्को की ओर से मैं आपको 'मन की बात' रेडियो प्रसारण की 100वीं कड़ी का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देती हूं। यूनेस्को और भारत का एक लंबा साझा इतिहास रहा है। हमारे शासनादेश के सभी क्षेत्रों—शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और सूचना में हमारी एक बहुत मजबूत भागीदारी है और मैं आज इस अवसर पर शिक्षा के महत्व के बारे में बात करना चाहूंगी। यूनेस्को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ काम कर रहा है कि 2030 तक दुनिया में हर किसी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच हो। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ, क्या आप इस उद्देश्य को प्राप्त करने का भारतीय तरीका बता सकते हैं? यूनेस्को संस्कृति को बढ़ावा देने और विरासत की रक्षा के लिए भी काम करता है और भारत इस साल जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। इस कार्यक्रम के लिए विश्व के नेता दिल्ली आएंगे। महामहिम, भारत कैसे संस्कृति और शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय एजेंडे में सबसे ऊपर रखना चाहता है? मैं एक बार फिर इस अवसर के लिए आपको धन्यवाद देती हूं और आपके माध्यम से भारत के लोगों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं...जल्द ही मिलेंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रधानमंत्री मोदी—धन्यवाद, महामहिम। मुझे 100वें 'मन की बात' कार्यक्रम में आपसे बातचीत करके खुशी हो रही है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि आपने शिक्षा और संस्कृति के अहम मुद्दों को उठाया है।

साथियो, यूनेस्को की डीजी ने Education और Cultural Preservation, यानी शिक्षा और संस्कृति संरक्षण को लेकर भारत के प्रयासों के बारे में जानना चाहा है। ये दोनों ही विषय 'मन की बात' के पसंदीदा विषय रहे हैं।

ओडिशा के पुरी तट पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के **'मन की बात'** की 100वीं कड़ी पर सुप्रसिद्ध रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक द्वारा बनाई गयी रेत कलाकृति

बात शिक्षा की हो या संस्कृति की, उसके संरक्षण की बात हो या संवर्धन की, भारत की यह प्राचीन परंपरा रही है। इस दिशा में आज देश जो काम कर रहा है, वो वाकई बहुत सराहनीय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति हो या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का विकल्प हो, शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण हो, आपको ऐसे अनेक प्रयास देखने को मिलेंगे। वर्षों पहले गुजरात में बेहतर शिक्षा देने और ड्रॉपआउट रेट्स को कम करने के लिए 'गुणोत्सव और शाला प्रवेशोत्सव' जैसे कार्यक्रम जनभागीदारी की एक अद्भुत मिसाल बन गए थे। 'मन की बात' में हमने ऐसे कितने ही लोगों के प्रयासों को प्रमुखता से बताया है, जो निःस्वार्थ भाव से शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। आपको याद होगा, एक बार हमने ओडिशा में ठेले पर चाय बेचने वाले स्वर्गीय डी. प्रकाश राव जी के बारे में चर्चा की थी, जो गरीब बच्चों को पढ़ाने के मिशन में लगे हुए थे। झारखण्ड के गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी चलाने वाले संजय कश्यप जी हों, कोविड के दौरान ई-लर्निंग के जरिये कई बच्चों की मदद करने वाली हेमलता एन.के. जी हों, ऐसे अनेक शिक्षकों के उदाहरण हमने 'मन की बात' में लिये हैं। हमने सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों को भी 'मन की बात' में लगातार जगह दी है।

लक्षदीप का कुम्मेल ब्रदर्स चैलेंजर्स क्लब (Kummel Brothers Challengers Club) हो, या कर्नाटक के 'क्वेमश्री' जी 'कला चेतना' जैसे मंच हो, देश के कोने-कोने से लोगों ने मुझे चिट्ठी लिखकर ऐसे उदाहरण भेजे हैं। हमने उन तीन प्रतियोगिताओं को लेकर भी बात की थी, जो देशभक्ति पर 'गीत' 'लोरी' और 'रंगोली' से जुड़े थे। आपको ध्यान होगा, एक बार हमने देश भर के स्टोरी टेलर्स से कथा वाचन के माध्यम से शिक्षा की भारतीय विधाओं पर चर्चा की थी। मेरा अटूट विश्वास है कि सामूहिक प्रयास से बड़े से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। इस साल हम जहां आजादी के अमृतकाल में आगे बढ़ रहे हैं, वहीं G-20 की अध्यक्षता भी कर रहे हैं। यह भी एक वजह है कि शिक्षा के साथ-साथ विविध वैश्विक संस्कृतियां को समृद्ध करने के लिये हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है।

चरैवेति, चरैवेति, चरैवेति

मेरे प्यारे देशवासियो, हमारे उपनिषदों का एक मंत्र सदियों से हमारे मानस को प्रेरणा देता आया है।

चरैवेति चरैवेति चरैवेति।

चलते रहो-चलते रहो-चलते रहो।

आज हम इसी चरैवेति, चरैवेति की भावना के साथ 'मन की बात' का 100वां एपिसोड पूरा कर रहे हैं। भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूती देने में 'मन की बात' किसी भी माला के धागे की तरह है, जो हर मनके को जोड़े रखता है। हर एपिसोड में देशवासियों के सेवा और सामर्थ्य ने दूसरों को प्रेरणा दी है। इस कार्यक्रम में हर देशवासी, दूसरे देशवासी की प्रेरणा बनता है। एक तरह से 'मन की बात' का हर एपिसोड अगले एपिसोड के लिए जमीन तैयार करता है। 'मन की बात' हमेशा सद्भावना, सेवा-भावना और कर्तव्य-भावना से ही आगे बढ़ा है। आज़ादी के अमृतकाल में यही पाजिटिविटी देश को आगे ले जाएगी, नई ऊंचाई पर ले जाएगी और मुझे खुशी है कि 'मन की बात' से जो शुरुआत हुई, वो आज देश की नई परंपरा भी बन रही है। एक ऐसी परंपरा जिसमें हमें सबका प्रयास की भावना के दर्शन होते हैं।

साथियो, मैं आज आकाशवाणी के साथियों को भी धन्यवाद दूंगा जो बहुत धैर्य के साथ इस पूरे कार्यक्रम को रिकॉर्ड करते हैं। वो अनुवादकों, जो बहुत ही कम समय में, बहुत तेज़ी के साथ 'मन की बात' का विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करते हैं, मैं उनका भी आभारी हूं। मैं दूरदर्शन के और MyGov के साथियों को भी धन्यवाद देता हूं। देशभर के टीवी चैनल, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोग, जो 'मन की बात' को बिना कमर्शियल ब्रेक के दिखाते हैं, उन सभी का मैं आभार व्यक्त करता हूं और आखिरी में मैं उनका भी आभार व्यक्त करूंगा, जो 'मन की बात' की कमान संभाले हुए हैं– भारत के लोग, भारत में आस्था रखने वाले लोग। ये सब कुछ आपकी प्रेरणा और ताकत से ही संभव हो पाया है।

साथियो, वैसे तो मेरे मन में आज इतना कुछ कहने को है कि समय और शब्द दोनों कम पड़ रहे हैं, लेकिन मुझे विश्वास है कि आप सब मेरे भावों को समझेंगे, मेरी भावनाओं को समझेंगे। आपके परिवार के ही एक सदस्य के रूप में 'मन की बात' के सहारे आपके बीच में रहा हूं, आपके बीच में रहूंगा। अगले महीने हम एक बार फिर मिलेंगे। फिर से नए विषयों और नई जानकारियों के साथ देशवासियों की सफलताओं को सेलिब्रेट करेंगे, तब तक के लिए मुझे विदा दीजिये और अपना और अपनों का खूब ख्याल रखिए। बहुत-बहुत धन्यवाद। नमस्कार। ■

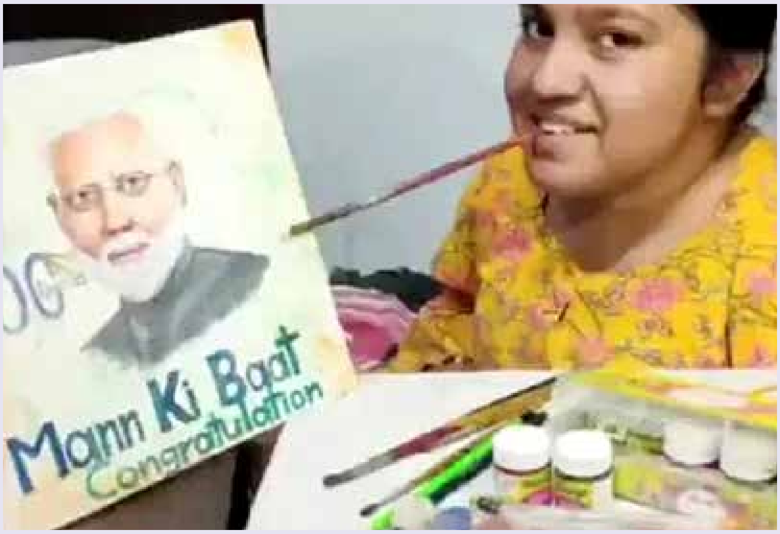

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर की एक दिव्यांग महिला द्वारा 'मन की बात' की 100 कड़ी पर बनाई गई एक पेंटिंग साझा की

'मन की बात@100' के माध्यम से नए भारत की कहानी

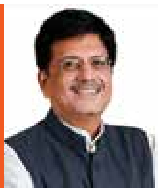

पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के अनूठे मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 100वें एपिसोड का प्रसारण एक मील का पत्थर है। 'मन की बात' जनता के साथ प्रधानमंत्री के गहरे जुड़ाव का प्रतीक है, जो उन्हें एक दयालु और निर्णायक नेता के रूप में मान्यता देती हैं, ऐसे नेता जो जीवन को बेहतर बनाने के लिए देश को बदल रहा हैं।

3 अक्टूबर, 2014 को 'मन की बात' के पहले एपिसोड के बाद से प्रधानमंत्रीजी ने देशवासियों के साथ एक विशिष्ट संबंध बनाया है, जिस पर नागरिकों ने अपनी उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी है और महीने दर महीने अपनी उपलब्धियों, खुशियों, चिंताओं और अपने बहुमूल्य सुझावों को प्रधानमंत्रीजी के साथ साझा किया है।

देशवासियों के साथ इस नियमित संवाद और इसकी लोकप्रियता का अन्य कोई उदाहरण नहीं मिलता है – यह एक ऐसा तथ्य जिसकी विश्व स्तर पर सराहना की गई है। इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदीजी को दुनिया के 'सबसे पसंदीदा' नेता के रूप में वर्णित किया, जबकि अमेरिकी वाणिज्य सचिव गीना रायमोंडो ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री 'अविश्वसनीय दूरद्रष्टा' है और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता थे, जो भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

'मन की बात' अमृत काल में एक विकसित देश बनने की दिशा में देश की नब्ज को पकड़ता है। मन की बात ने करोड़ों भारतीयों को आकर्षित और प्रेरित किया है। प्रत्येक एपिसोड के साथ श्रोताओं की संख्या बढ़ती गई है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय विकास के लिए काम करने के लिए साथी भारतीयों को शिक्षित करने, मार्गदर्शन देने, सलाह देने और प्रेरित करने का आह्वान किया है। महत्वपूर्ण रूप से जैसा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मन की बात प्रकृति में पूरी तरह से गैर-राजनीतिक कार्यक्रम रहा है।

प्रधानमंत्री मोदीजी का नियमित संवाद देश में गौरव की एक शक्तिशाली भावना पैदा करता है। उन्होंने स्थानीय कला और कारीगरों का प्रचार प्रमुखता से किया, जिससे उनकी पहुंच भारत और विदेशों में खरीदारों तक बने और उन्हें आवश्यक पहचान और

> **इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के 'सबसे पसंदीदा' नेता के रूप में वर्णित किया, जबकि अमेरिकी वाणिज्य सचिव गीना रायमोंडो ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री 'अविश्वसनीय दूरद्रष्टा' है और विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता थे, जो भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं**

ब्रांड वैल्यू मिल सके। इस कार्यक्रम के माध्यम से खादी को भी बढ़ावा दिया गया, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम के प्रभाव को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि मोदीजी के 'मन की बात' में घरेलू खिलौना बनाने और स्थानीय खिलौना उद्योग के लिए समर्थन का उल्लेख करने के बाद से खिलौनों का आयात 2018-19 में 371 मिलियन डॉलर से गिरकर 2021 में 110 मिलियन डॉलर हो गया, यह गिरावट तकरीबन 70 प्रतिशत की थी। इसके अतिरिक्त निर्यात 202 मिलियन डॉलर से बढ़कर 326 मिलियन डॉलर हो गया।

जब कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया भर के लोग और अर्थव्यवस्थाएं इस महामारी से प्रभावित हो रही थीं, उस दौरान भी प्रधानमंत्री मोदीजी ने अपने मासिक संबोधन के माध्यम से राष्ट्र की भावना को ऊपर उठाने और सकारात्मकता माहौल बनाने का प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदीजी ने इस कार्यक्रम के माध्यम से ट्रक ड्राइवरों और पायलटों को संबोधित किया और उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने सभी कोविड योद्धाओं की सराहना भी की।

'मन की बात' का एक और महत्वपूर्ण आयाम यह है कि इसने सरकार की कई प्रमुख पहलों को प्रेरणा देने का कार्य किया और उन्हें जन आंदोलनों में बदल दिया है। इनमें 'स्वच्छ भारत' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान शामिल हैं। एक और शानदार उदाहरण 'सेल्फी विद डॉटर' की शानदार सफलता है। इसके माध्यम से घरेलू पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है। 'स्वच्छता अभियान' के कारण स्वच्छता को लेकर व्यापक सामाजिक जागरूकत आयी है, जल संरक्षण को भी बढ़ावा दिया गया। इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण अब एक आंदोलन के रूप में विकसित हो गया है।

'मन की बात' कार्यक्रम 140 करोड़ नागरिकों की शक्ति को स्वीकार करता है और उन्हें राष्ट्र निर्माण के मिशन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करता है। अब इसे 23 भारतीय और 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित किया जा रहा है, जो प्रधानमंत्री के असाधारण नेतृत्व में देश की विकास यात्रा का प्रमाण बन रहा है। इन 100 प्रसारणों

में प्रधानमंत्री ने विभिन्न विषयों को अपने कार्यक्रम में प्रमुखता से उठाया जैसे मौसम, पर्यावरण, स्वच्छता, सामाजिक मुद्दे, स्वदेशी शिल्प, परीक्षाओं का तनाव, स्वच्छ भारत, फिट इंडिया, बालिकाओं को बचाने और शिक्षित करने, जल संरक्षण, वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत आदि। साथ ही, उन्होंने हमारे महान राष्ट्र की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव भी मनाया।

मन की बात के एपिसोड्स में भारत भर के गुमनाम नायकों, जमीनी स्तर के चैंपियन और चेंजमेकर्स के बारे में प्रेरणादायक कहानियां से अवगत करवाया गया।

विभिन्न ज्वलंत विषयों, चेंजमेकर्स और जमीनी नायकों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करने के साथ ही प्रधानमंत्रीजी का मासिक संवाद भविष्य के रोडमैप को भी रेखांकित करता है। इस विकास यात्रा में जनभागीदारी की भावना भरी हुई है, जो पूरे राष्ट्र की रचनात्मक ऊर्जा का उपयोग करती है, विशेष रूप से युवाओं की इसमें अहम भूमिका है।

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदीजी ने लाल किले के प्राचीर से नौवीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया और 'पंच प्राण' पर आधारित भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण पेश किया। इस भविष्यवादी दृष्टिकोण के अनुरूप उन्होंने 140 करोड़ देशवासियों के साथ 'अमृत काल' में देश को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने का संकल्प लिया। जैसाकि उन्होंने स्पष्टता के साथ कहा, "आज हमारे रास्ते हमारे अपने हैं, हमारे प्रतीक हमारे अपने हैं।"

इन 100 एपिसोड्स के दौरान प्रधानमंत्री मोदीजी ने कई देशभक्ति, सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को छुआ, जिन्हें नागरिकों ने पूरे दिल से अपनाया है। इसमें आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का आह्वान और हर घर में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का उनका लोकप्रिय अभियान– 'हर घर तिरंगा' शामिल है।

'मन की बात' प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों में भारत की असाधारण विकास यात्रा का एक प्रामाणिक रिकॉर्ड है। यह कार्यक्रम जमीन से जुड़े, संवेदनशील, दूरदर्शी और शक्तिशाली जन नेता की उनकी छवि को और मजबूत करता है। ■

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री हैं)

आतंकवाद को खत्म करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की आवश्यकता: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की बैठक में आतंकवाद के सभी रूपों को खत्म करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने और इस तरह की गतिविधियों को सहायता व वित्तपोषण करने वालों की जवाबदेही तय करने का आह्वान किया है। 28 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली में एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों को संबोधित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि सभी तरह की आतंकवादी गतिविधियों या किसी भी रूप में इसका समर्थन मानवता के खिलाफ बड़ा अपराध है और शांति एवं समृद्धि इस खतरे के साथ बनी नहीं रह सकती है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि एक राष्ट्र आतंकवादियों को शरण देता है, यह न सिर्फ दूसरों के लिए बल्कि स्वयं के लिए भी खतरा पैदा करता है यह उसके लिए भी खतरा है। युवाओं में उग्रवाद की प्रवृत्ति न सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से चिंता का विषय है, बल्कि यह समाज की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की राह में एक बड़ी बाधा भी है। यदि हम एससीओ को एक सशक्त और अधिक विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संगठन बनाना चाहते हैं, तो आतंकवाद से प्रभावी रूप से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि भारत क्षेत्रीय सहयोग के एक मजबूत ढांचे की परिकल्पना करता है, जिसमें सभी सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पारस्परिक रूप से सम्मान हो और उनके वैधानिक हितों का ध्यान रखा जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नई दिल्ली एससीओ के सदस्य देशों के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के प्रावधानों के अनुसार शांति और सुरक्षा को बनाए रखने में भरोसा रखती है।

सामूहिक समृद्धि सुनिश्चित करने के विजन पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने एससीओ सदस्य देशों द्वारा ठोस प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से मिलकर काम करने और साथ मिलकर आगे बढ़ने के सिद्धांत का पालन करता है। प्रत्येक युग चेतना का युग होता है। वर्तमान युग 'बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी के सहयोग' का है।

श्री राजनाथ सिंह ने 2018 में चीन के चिंगदाओ में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत की गई 'सिक्योर' की अवधारणा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सिक्योर शब्द का हर अक्षर क्षेत्र के बहुआयामी कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है।

एस– सिक्योरिटी ऑफ सिटीजन्स (नागरिकों की सुरक्षा)

ई– इकॉनोमिक डेवलपमेंट फॉर ऑल (सभी के लिए आर्थिक विकास)

सी– कनेक्टिंग द रीजन (क्षेत्रीय जुड़ाव)

यू– यूनिटिंग द पीपुल (लोगों को एकत्रित करना)

आर– रीस्पेक्ट फॉर साव्रिन्टी एंड इंटेग्रिटी (संप्रभुता और अखंडता के लिए सम्मान)

ई– एंवायरमेंटल प्रोटेक्शन (पर्यावरण संरक्षण) ■

मन की बात: आदिवासी समुदायों का सशक्तीकरण और एक बेहतर राष्ट्र का निर्माण

अर्जुन मुंडा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'मन की बात' कार्यक्रम ने अपना 100 वां संस्करण पूरा कर लिया है और यह जनजातीय समुदायों सहित राष्ट्र और इसके विविध समुदायों के लाभ के लिए कई तरह की पहलों और नीतियों को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। इस कार्यक्रम ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े समुदायों को सशक्त बनाने, सतत विकास को बढ़ावा देने और शासन में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्रीजी आम लोगों की कहानियों को जमीन से शीर्ष पर ले जा रहे हैं। जब आप देश में आम जनता की विशिष्ट कहानियां सुनते हैं और जब मन की बात कार्यक्रम में उसका उल्लेख किया जाता है तब यह आपको विश्वास दिलाता है कि आप भी ऐसा कर सकते हैं । इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिपेक्ष में हर उस विषय पर बात की गयी है जो मुझसे और आप से जुड़ी हुई है। शायद यही वो कड़ी है जो इस कार्यक्रम को विशेष और लोकप्रिय बनाती है।

प्रधानमंत्रीजी ने इस कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों के महत्व पर जोर दिया है। सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिसमें स्किल इंडिया कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास और प्रशिक्षण प्रदान करना है। कार्यक्रम ने उद्यमिता के महत्व पर भी प्रकाश डाला है और आदिवासी युवाओं को उद्यमशीलता उद्यमों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

मन की बात कार्यक्रम में आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। सरकार ने डिजिटल इंडिया कार्यक्रम सहित ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं। इस कार्यक्रम ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक बेहतर पहुंच प्रदान करने और आदिवासी समुदायों के बीच डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला है।

कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। सरकार द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान आदिवासी क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। कार्यक्रम ने आदिवासी क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वच्छता सुविधाओं में सुधार के महत्व पर जोर दिया है, जो न केवल बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देगा, बल्कि आदिवासी समुदायों के लिए जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार करेगा।

> **प्रधानमंत्रीजी ने इस कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समुदायों के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसरों के महत्व पर जोर दिया है। सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिसमें स्किल इंडिया कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास और प्रशिक्षण प्रदान करना है**

मन की बात कार्यक्रम ने आदिवासी समुदायों के लिए कौशल विकास और उद्यमिता के महत्व पर भी प्रकाश डाला है। सरकार ने आदिवासी युवाओं के बीच कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिसमें स्टैंड अप इंडिया कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और हाशिए के समुदायों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम ने आदिवासी उद्यमियों के लिए ऋण और समर्थन तक पहुंच प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास भी मन की बात कार्यक्रम का एक प्रमुख फोकस रहा है। कार्यक्रम ने भारत के प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला है। सरकार ने नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कई पहल शुरू की हैं। कार्यक्रम ने सतत विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया है जो पर्यावरण और आदिवासी समुदायों दोनों को लाभान्वित करता है।

मन की बात कार्यक्रम की प्रमुख शक्तियों में से एक सामुदायिक भागीदारी पर जोर देना है। कार्यक्रम ने जनजातीय क्षेत्रों के नागरिकों सहित नागरिकों को शासन और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे सरकारी नीतियों और पहलों में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में मदद मिली है।

मन की बात कार्यक्रम में महिला सशक्तीकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। कार्यक्रम ने जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर और समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह आदिवासी समुदायों में महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अक्सर भेदभाव और हाशिए के कई रूपों का सामना

करते हैं।

कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन और तैयारियों के महत्व पर भी जोर दिया गया है। कार्यक्रम ने आदिवासी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे और संसाधनों में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है, जो अक्सर प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आते हैं। सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन और तैयारियों में सुधार के लिए कई पहल शुरू की हैं।

सामाजिक कल्याण योजनाएं भी मन की बात कार्यक्रम का एक प्रमुख अंग रही हैं। कार्यक्रम ने आदिवासी समुदायों सहित सभी नागरिकों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल जैसी सामाजिक कल्याण योजनाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

मन की बात कार्यक्रम राष्ट्र और जनजातीय समुदायों सहित इसके विविध समुदायों के लाभ के लिए पहल और नीतियों की एक विस्तृत शृंखला को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मन की बात कार्यक्रम एक स्पष्ट माध्यम रहा है जिससे यह संदेश गया है की जनता और सरकार एक जैसा सोच रही है और देश प्रगति की ओर बढ़ रहा है । प्रधानमंत्रीजी सदैव आदिवासी समुदायों और राष्ट्र को प्रगति और विकास प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। मन की बात का 100 वां एपिसोड एक मील का पत्थर थी, लेकिन आदिवासी समुदायों और पूरे राष्ट्र के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है। हम सभी को प्रधानमंत्री के शब्दों से प्रेरणा लेकर अपने और अपने देश के लिए बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। ■

(लेखक केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री हैं)

'तमिल सौराष्ट्र संगमम् सरदार पटेल और सुब्रमण्यम भारती की देशभक्ति के संकल्पों का संगम है'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सौराष्ट्र तमिल संगमम् के समापन समारोह को संबोधित किया। इस कार्यक्रम की उत्पत्ति 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के विज़न में निहित है। यह कार्यक्रम, जो देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के बीच सदियों पुराने संबंधों को सामने लाने और उनके बारे में फिर से जानने में मदद करता है। इसे ध्यान में रखते हुए पहले काशी तमिल संगमम् आयोजित किया गया था और सौराष्ट्र तमिल संगमम्, गुजरात और तमिलनाडु के बीच साझा संस्कृति और विरासत का उत्सव मनाते हुए इस विज़न को आगे बढ़ाता है।

सदियों पहले बड़ी संख्या में लोग सौराष्ट्र क्षेत्र से तमिलनाडु चले गए थे। सौराष्ट्र तमिल संगमम् ने सौराष्ट्र के तमिलों को अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। 10 दिवसीय संगम में 3000 से अधिक सौराष्ट्री तमिल एक विशेष ट्रेन से सोमनाथ आए। यह कार्यक्रम 17 अप्रैल से शुरू हुआ था, जिसका समापन समारोह 26 अप्रैल को सोमनाथ में आयोजित किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित किया कि अतिथि का स्वागत-सत्कार करना एक विशेष अनुभव है, लेकिन दशकों के बाद वापस घर पहुंचने का अनुभव और खुशी अतुलनीय है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सौराष्ट्र के लोगों ने तमिलनाडु के दोस्तों के लिए गर्मजोशी से स्वागत किया है, जो समान उत्साह के साथ राज्य की यात्रा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने याद किया कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने 2010 में मदुरै में एक ऐसा ही सौराष्ट्र तमिल संगमम् का आयोजन किया था, जिसमें सौराष्ट्र के 50,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए थे।

श्री मोदी ने सौराष्ट्र में आए तमिलनाडु के अतिथियों में वैसा ही स्नेह और उत्साह देखा।

हमें विरासत के साथ राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ना है

श्री मोदी ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में हम सौराष्ट्र-तमिल संगमम् जैसे सांस्कृतिक आयोजनों की एक नई परंपरा के गवाह बन रहे हैं, जो सिर्फ तमिलनाडु और सौराष्ट्र का संगम नहीं है, बल्कि देवी मीनाक्षी और देवी पार्वती के रूप में शक्ति की उपासना का उत्सव भी है। साथ ही, यह भगवान सोमनाथ और भगवान रामनाथ के रूप में 'एक शिव' की भावना का उत्सव भी है। इसी तरह, यह सुंदरेश्वर और नागेश्वर का संगम है, यह श्री कृष्ण और श्री रंगनाथ, नर्मदा और वैगई, डांडिया और कोलाट्टम का संगम है तथा द्वारका और मदुरै जैसी पुरियों की पवित्र परंपराओं का भी संगम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिल सौराष्ट्र संगमम् सरदार पटेल और सुब्रमण्यम भारती की देशभक्ति के संकल्पों का संगम है। हमें इस विरासत के साथ राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ना है। ■

भाजपा प्राथमिक क्षेत्रों के समग्र विकास के साथ कर्नाटक का विकास सुनिश्चित करेगी: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 01 मई, 2023 को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'प्रजा प्राणलाइक' (दृष्टिपत्र) जारी किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य श्री बी.एस. येदियुरप्पा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक के लिए दृष्टिपत्र वातानुकूलित कमरे में बैठकर तैयार नहीं किया गया है, बल्कि इसके लिए उचित प्रयास किया गया है। इस दृष्टिपत्र के निर्माण से पहले प्रदेश के कोने-कोने का दौरा करने वाले हमारे कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सुझाव प्राप्त किए और लाखों परिवार को इससे जोड़ा गया।

कृषि क्षेत्र

श्री नड्डा ने कर्नाटक में भाजपा सरकार की कृषि क्षेत्र में उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमने तूर दाल के एमएसपी में 53 प्रतिशत, रागी में 138 प्रतिशत, धान में 56 प्रतिशत और कपास में 60 प्रतिशत की वृद्धि की है। हम प्राथमिक क्षेत्र के समग्र विकास के जरिए 2027 तक किसानों की आय दोगुनी करेंगे।

समावेशी विकास

समावेशी विकास में उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 'हमने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण के मौजूदा स्थिति में क्रमशः 2 प्रतिशत और 4 प्रतिशत की वृद्धि की है और अनुसूचित जाति के लिए आंतरिक आरक्षण भी दिया गया है। एससी राइट -5.50 प्रतिशत, एससी लेफ्ट - 6 प्रतिशत, एससी (बंजारा, भोवी, कोराचा और कोरमा) - 4.50 प्रतिशत और अन्य दलित को 1 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। हमने राज्य में 3,526 गैर दर्ज लम्बानी थंडा और कुरुबा हत्ती को नए राजस्व गांव घोषित किये है और डबल इंजन सरकार द्वारा 1.75 लाख से अधिक लाभार्थियों को हक्कू पत्र प्रदान किए गए हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र

कर्नाटक में भाजपा सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में लाए गए सकारात्मक बदलावों के बारे में बात करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि हमने शहरी स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने की दृष्टि से शहरों में 438 नेम्मा क्लीनिक स्थापित कर रहे हैं। हमने आयुष्मान भारत-आरोग्य कर्नाटक के तहत प्रदेश में 1.38 करोड़ लोगों को हेल्थ कार्ड जारी किए हैं। हमने चिक्कमगलुरु, हावेरी यादगीर और चिक्काबल्लापुरा में 4 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए हैं।

ग्रामीण विकास

श्री नड्डा ने ग्रामीण विकास की बात करते हुए कहा कि हमने बेलाकु योजना के तहत 124 करोड़ की लागत से ग्रामीण क्षेत्रों में 2.35 लाख घरों को बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया है। हमने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 2019 और 2022 के बीच लगभग 10,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया है। हमने मनरेगा के तहत 2019-22 के बीच 100 दिनों का गारंटीकृत रोजगार प्रदान करने के लिए कुल 22,510 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इससे कार्यक्रम के तहत औसतन 43 लाख व्यक्ति दिवस सृजित करने में मदद मिली।

महिला सशक्तीकरण और शिशु देखभाल

श्री नड्डा ने महिला अधिकारिता और शिशु देखभाल के क्षेत्र में उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा कि हमने प्रदेश में उज्ज्वला योजना के तहत 37 लाख मुफ्त एलपीजी कनेक्शन जारी किए हैं। हमने 2023-24 के प्रदेश के बजट में संगठित क्षेत्र में कार्यरत 30 लाख महिलाओं को मुफ्त बस पास प्रदान करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये और विद्या वाहिनी योजना के तहत छात्राओं को मुफ्त बस पास प्रदान करने के लिए 2350 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत कर्नाटक में 19.5 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को सहयोग किया है। हमने अमृत स्वयं सहायता सूक्ष्म उद्यम परियोजना के तहत 3.9 लाख महिलाओं को लाभान्वित करने के लिए 2500 करोड़ का कोष स्थापित किया है।

श्री नड्डा ने अलग से बेंगलुरु, मध्य कर्नाटक, कित्तूर कर्नाटक, कल्याण कर्नाटक, तटीय कर्नाटक और शेष कर्नाटक के लिए विजन रखा। उन्होंने कहा कि पार्टी दृष्टिपत्र छह विषयों पर केंद्रित है: 1) खाद्य सुरक्षा 2) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा 3) सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा 4) सुनिश्चित आय 5) सभी के लिए सामाजिक न्याय 6) विकास, सभी के लिए समृद्धि। ■

कर्नाटक विस चुनाव के निमित्त भाजपा 'प्रजा प्राणलाइक' जारी

भाजपा प्रजा प्राणलाइक 2023 की प्रमुख घोषणाएं

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा के प्रजा प्राणलाइक (दृष्टिपत्र) की प्रमुख घोषणाओं के बारे में कहा–

- हम सभी बीपीएल परिवारों को सालाना 3 मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर प्रदान करेंगे; युगादी, गणेश चतुर्थी और दिवाली के महीनों के दौरान एक-एक सिलेंडर दिया जाएगा।
- प्रदेश भर में सस्ता, गुणवत्तापूर्ण और स्वस्थ भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के प्रत्येक नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में एक 'अटल आहार केंद्र' स्थापित करेंगे।
- 'पोषण' योजना की शुरुआत करेंगे, जिसके माध्यम से प्रत्येक बीपीएल परिवार को प्रतिदिन आधा लीटर नंदिनी दूध और 5 किलो श्री अन्ना - सिरी धन्या मासिक राशन किट के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।
- कर्नाटक में एक उच्च-स्तरीय समिति द्वारा दी गई सिफारिशों के आधार पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू किया जाएगा, इस उद्देश्य के लिए इस समिति का गठन किया जाना है।
- हम 'सर्वरिगु सुरू योजना' शुरू करेंगे, जिसके तहत राजस्व विभाग प्रदेश भर में 10 लाख आवास स्थलों की पहचान करेगा और बेघर लाभार्थियों को वितरित करेगा।
- मुख्य घोषणाओं को जारी रखते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हम "ओनके ओबव्वा सामाजिक न्याय निधि" योजना शुरू करेंगे, जिसके माध्यम से हम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के परिवारों की महिलाओं को योजना के तहत किए गए 5-वर्षीय सावधि जमा पर 10,000 तक की समान जमा राशि प्रदान करेंगे।
- हम कर्नाटक अपार्टमेंट ओनरशिप एक्ट, 1972 में सुधार करने और शिकायत निवारण तंत्र को आधुनिक बनाने के लिए कर्नाटक रेजिडेंट्स वेलफेयर कंसल्टेटिव कमेटी का गठन करके बेंगलुरु में अपार्टमेंट में रहने वालों के 'जीवन सुगम' बनाने का प्रयास करेंगे।
- हम विश्वेश्वरैया विद्या योजना शुरू करेंगे, जिसके तहत प्रदेश सरकार प्रतिष्ठित व्यक्तियों और संस्थानों की भागीदारी के माध्यम से सरकारी स्कूलों के समग्र उन्नयन का प्रयास करेगी।
- कर्नाटक की भाजपा सरकार 'समन्वय योजना' शुरू करेगी जो एसएमई और आईटीआई के बीच सहयोग को बढ़ावा देगी, जिससे प्रतिभाशाली युवा पेशेवरों के लिए शिक्षा और रोजगार का एक गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र तैयार होगा।
- हम आईएएस/केएएस/बैंकिंग/सरकारी नौकरियों के लिए कोचिंग करने के लिए छात्रों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके आकांक्षी युवाओं के लिए कैरियर सहायता प्रदान करेंगे।

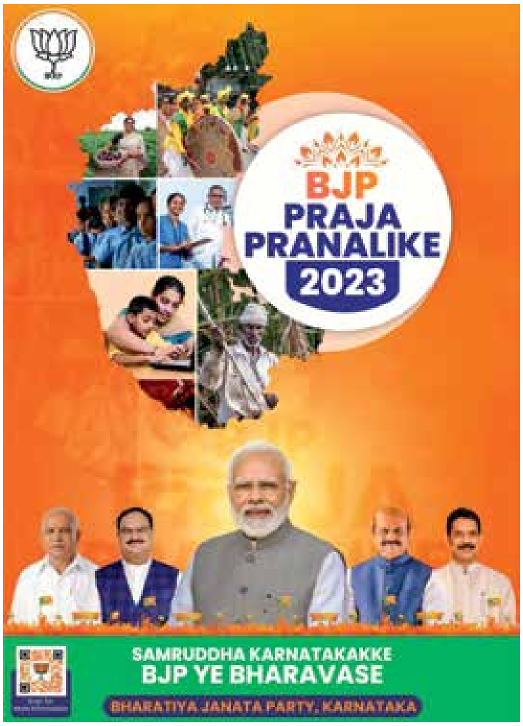

- हम नगर निगमों के प्रत्येक वार्ड में नैदानिक सुविधाओं से लैस एक नम्मा क्लिनिक की स्थापना करके 'मिशन स्वास्थ्य कर्नाटक' के माध्यम से प्रदेश में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे।
- इसके अतिरिक्त, हम वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच भी प्रदान करेंगे।
- हम बेंगलुरू को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' के रूप में नामित करके अगली पीढ़ी के लिए विकसित करेंगे और एक व्यापक, प्रौद्योगिकी-आधारित शहर विकास कार्यक्रम को क्रियान्वित करेंगे, जो जीवन की सुगमता, सशक्त परिवहन नेटवर्क और बेंगलुरू को डिजिटल नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम बनाने पर केंद्रित होगा।
- हम चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके, 1,000 स्टार्टअप्स को समर्थन देकर, बीएमटीसी बसों को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसों में परिवर्तित करके, और बेंगलुरु के बाहरी इलाके में 'ईवी सिटी' बनाकर कर्नाटक को इलेक्ट्रिक वाहनों के एक प्रमुख केंद्र में बदल देंगे।
- हम माइक्रो-कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं, सभी जीपीएस में कृषि-प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, एपीएमसी के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण, कृषि मशीनीकरण में तेजी लाने और 5 नए कृषि-उद्योग क्लस्टर एवं 3 नए खाद्य प्रसंस्करण पार्क स्थापित करने के लिए 230,000 करोड़ के-एग्री फंड की स्थापना करेंगे।
- हम कर्नाटक को भारत के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल में बदलने के लिए कल्याण सर्किट, बनवासी सर्किट, परशुराम सर्किट, कावेरी सर्किट और गणगापुरा कॉरिडोर विकसित करने के लिए 21,500 करोड़ रुपये आवंटित करेंगे।
- हम एक व्यापक योजना को शामिल करके उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का दायरा बढ़ाएंगे, जिसमें लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक क्लस्टर, कनेक्टिविटी और निर्यात सुविधाएं शामिल हैं, जो 'बेंगलुरू से इतर' 10 लाख विनिर्माण नौकरियों के अवसर पैदा करेगी। ■

भाजपा की नीति 'नेशन फर्स्ट', जबकि कांग्रेस की नीति 'करप्शन फर्स्ट' है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक में 3 मई, 2023 को मूडबिद्री, अंकोला और बायलहोंगल में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता-जनार्दन के प्रति जवाबदेही बहुत आवश्यक है। भाजपा के संस्कार जनता के सेवक की तरह काम करने के हैं, जबकि कांग्रेस नेताओं की जवाबदेही दिल्ली के एक 'शाही परिवार'के प्रति है। कर्नाटक की जनता देख रही है कि किस प्रकार दिल्ली में बैठा यह परिवार रिमोट से नेताओं को कंट्रोल करता है। कांग्रेस की तरह जेडीएस की जवाबदेही भी अपने मालिक के प्रति ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए तो कर्नाटक का हर परिवार ही अपना परिवार है। हमारी जवाबदेही राज्य के लोगों के प्रति है। कांग्रेस की नीयत में गरीबों, वंचितों और आदिवासियों से लेकर गन्ना किसानों तक के लिए हमेशा खोट रही है, इसलिए उसने इनकी समस्याओं को हमेशा लटकाए रखा। इन्हें सुविधाओं से वंचित रखा। जबकि अब डबल इंजन सरकार 'सबका साथ-सबका विकास' के विजन से सभी के कल्याण के लिए काम कर रही है।

विकास के हर कार्य में नई गति

श्री मोदी ने यहां की जनता को याद दिलाया कि किस प्रकार 2018 के चुनाव के बाद येदियुरप्पाजी और फिर बोम्मईजी को डबल इंजन सरकार के विजन को आगे बढ़ाने के लिए सिर्फ साढ़े तीन साल ही मिले। इस अवधि में हमने कांग्रेस-जेडीएस सरकार के दौरान हुए नुकसान की भरपाई की। चाहे लोगों का जीवन आसान बनाना हो या आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का काम हो, अब कर्नाटक में विकास के हर कार्य में नई गति आई है। यही वजह है कि आज रोड और रेल से लेकर पोर्ट और एयरपोर्ट तक यहां हजारों करोड़ रुपये निवेश किए जा रहे हैं। जहां कांग्रेस-जेडीएस सरकार के समय सालाना करीब 30 हजार करोड़ विदेशी निवेश आता था, वहीं डबल इंजन की सरकार में ये तीन गुना बढ़कर 90 हजार करोड़ रुपये हो गया।

कांग्रेस के 'नकली नाम घोटाले' का पर्दाफाश

कांग्रेस और भाजपा में फर्क बताते हुए श्री मोदी ने कहा कि भाजपा का हमेशा से नेशन फर्स्ट का संकल्प रहा है, वहीं कांग्रेस का मकसद हमेशा करप्शन फर्स्ट रहा है। कांग्रेस के 'शाही परिवार'ने कई दशकों तक देश पर शासन किया। लेकिन इसने देश के विकास के बजाय सारा ध्यान अपने विकास पर ही लगाया। देश में ऐसा सिस्टम विकसित किया कि उसकी तिजोरी हमेशा काली कमाई से भरी रहे। इसके लिए कांग्रेस ने कागजों पर ऐसे करोड़ों लोग तैयार किए, जिनका कभी जन्म ही नहीं हुआ। बीते नौ वर्षों में हमने कांग्रेस के 'नकली नाम घोटाले' का भी पर्दाफाश किया है। इस घोटाले का बहुत बड़ा नुकसान कर्नाटक के लोगों को भी हुआ है। कांग्रेस सरकार के दौरान करीब 4 करोड़ नकली नामों को राशन और गैस की सब्सिडी, महिला कल्याण के तहत एक करोड़ नकली नामों के लिए फंड और 30 लाख नकली नामों को स्कॉलरशिप दी जा रही थी। कांग्रेस ने देश के कोने-कोने में करीब 10 करोड़ नकली नाम सरकारी कागजों में डलवा दिए थे, ताकि काली कमाई का उसका सिस्टम चलता रहे। श्री मोदी ने जनता से सवाल करते हुए कहा, "क्या आप जानते हैं कि कांग्रेस नेता मुझे गाली क्यों देते हैं? क्योंकि मैंने इनके बने-बनाए भ्रष्ट व्यवस्था को कुचलने की हिम्मत दिखाई है। बीते नौ सालों में गरीब का हक छीन रहे इन 10 करोड़ नकली नामों को हमारी सरकार ने हटा दिया है। आज गरीबों को उनका पूरा हक मिल रहा है।"

जहां कांग्रेस होती है, वहां से निवेशक दूर भागते हैं

श्री मोदी ने मूडबिद्री में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा चाहती है कि कर्नाटक हर क्षेत्र में नंबर-1 राज्य बने। इस संकल्प की सिद्धि के लिए डबल इंजन सरकार राज्य के चौतरफा विकास में जुटी है। लेकिन कांग्रेस कर्नाटक को अपने शाही परिवार का नंबर-1 एटीएम बनाना चाहती है। कांग्रेस कर्नाटक में शांति और

बेंगलुरु में प्रधानमंत्री का ग्रैंड रोड शो

हम कर्नाटक को नंबर 1 राज्य बनाना चाहते हैं: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 06 और 07 मई 2023 को बेंगलुरु, कर्नाटक में दो बड़े रोड शो किए। हालांकि पहले, आठ घंटे के मेगा रोड शो की योजना बनाई गई थी, लेकिन राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने इसे दो भागों में आयोजित करने का फैसला किया। जनता को असुविधा से बचाने के लिए 06 मई को 26 किमी और 07 मई को 10 किमी मार्ग पर दो बड़े रोड शो किए गए।

रोड शो की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की श्री केम्पेगौड़ा (बेंगलुरु के संस्थापक) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक झलक पाने के लिए ढोल सहित वाद्य यंत्रों को लेकर बड़ी संख्या में लोग और कार्यकर्ता एकत्रित हुए। समर्थक सड़क के दोनों ओर पंक्ति में खड़े रहे और उन्होंने प्रधानमंत्री पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं, जो उत्साह से जनता का अभिवादन करते रहे।

प्रधानमंत्री ने अपने रोड शो के बाद कहा कि वह शहर के लोगों द्वारा दिखाए गए स्नेह को अपने पूरे जीवन के लिए याद रखेंगे। "बेंगलुरू में मैंने अभी जो देखा, अगर उसे शब्दों में बयां किया जा सकता है! तो मैं कहूंगा मैं इस जीवंत शहर के लोगों को नमन करता हूं, जिन्होंने मुझ पर स्नेह बरसाया है, जिसे मैं अपने पूरे जीवन संजो कर रखूंगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, "हम कर्नाटक को निवेश, उद्योग और नवाचार में नंबर 1 प्रदेश बनाना चाहते हैं। हम कर्नाटक को शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में नंबर एक बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए हम 'बीज से बाजार तक' दृष्टिकोण पर काम कर रही है। साथ ही नई सिंचाई परियोजनाओं और भंडारण सुविधाओं के विस्तार पर काम चल रहा है। इथेनॉल सम्मिश्रण में वृद्धि, नैनो यूरिया का उपयोग और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक के साथ भाजपा कर्नाटक को कृषि में नंबर एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री मोदी ने आगे कहा कि कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 'डबल इंजन' सरकार द्वारा लिए गए फैसलों, 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' ने कर्नाटक को भारत का नंबर एक राज्य बनने के लिए एक मजबूत नींव तैयार की है। ■

विकास की दुश्मन है। इसलिए जहां कांग्रेस होती है, वहां से निवेशक दूर भागते हैं। कांग्रेस आतंक के आकाओं को बचाती है, तुष्टीकरण को बढ़ाती है। अभी राजस्थान में बम धमाके वाले केस में जो हुआ, वो पूरे देश ने देखा है। उस धमाके में कितने ही निर्दोष मारे गए, लेकिन कांग्रेस सरकार ने दोषियों को सजा नहीं दिलवाई। तुष्टीकरण की यही नीति कांग्रेस की पहचान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुशासन में हमारी माताएं-बहनें और बेटियां हमेशा अभावों में रहीं, लेकिन जब से डबल इंजन सरकार आई है निरंतर उनके जीवन को आसान बनाने में जुटी है। कर्नाटक में मछुआरा भाई-बहनों के साथ-साथ हमने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए जो प्रयास किए हैं, उनके सार्थक परिणाम आज दिखाई दे रहे हैं।

किसानों की समस्याओं का स्थायी समाधान

श्री मोदी ने बायलहोंगल में आयोजित अपनी तीसरी रैली में कहा कि कांग्रेस और जेडीएस की सरकारों ने किसानों की समस्याओं को भी हमेशा लटकाए रखा है। कांग्रेस के शासन में गन्ना किसानों का बकाया बहुत बड़ी समस्या थी। लेकिन भाजपा सरकार ने उसके स्थायी समाधान पर भी काम किया। बीते 9 वर्षों में हमने गन्ने से इथेनॉल बनाने पर बहुत अधिक बल दिया। कांग्रेस के पास इसको लेकर न तो सोच थी, न ही इसके लिए सही नीयत थी। अब भाजपा सरकार 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग का लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ रही है। क्योंकि ज्यादा इथेनॉल ब्लेंडिंग का मतलब है, गन्ना किसानों को ज्यादा लाभ मिलना। कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण गन्ना को-ऑपरेटिव्स पर बहुत अधिक दबाव आ गया था। इस वर्ष के बजट में हमने इनके लिए 10 हजार करोड़ रुपए की मदद दी है।

शॉर्ट-कट गर्वनेंस से सावधान रहना है

अपने संबोधन के अंत में श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस और जेडीएस की शॉर्ट-कट गर्वनेंस ने देश और कर्नाटक में वोट बैंक की राजनीति शुरू की। जब कोई शॉर्ट-कट पॉलिटिक्स करता है तो कांग्रेस की तरह सबसे पहले यही सोचता है कि समाज को जाति और पंथ के नाम पर बांट दो। जब किसी समस्या को जड़ से खत्म करने के बजाय, सिर्फ टाल देने की मंशा हो तो कांग्रेस की तरह ही काम होता है। कर्नाटक के लोगों को कांग्रेस और जेडीएस की शॉर्ट-कट गर्वनेंस से बहुत सावधान रहना है। भाजपा 'सबका साथ-सबका विकास' के विजन से ही लोगों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास कर रही है। ■

जब-जब कांग्रेस की सरकार रही, तब-तब नए-नए भ्रष्टाचार सामने आये: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने मांड्या और चिक्कबल्लापुरा में आयोजित भव्य रोड शो के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजनवाली सरकार को राज्य में फिर से विजयी बनाने का दृढ़ निश्चय कर लिया है। गलत जगह पर बटन दबता है तो विकास ठप्प पड़ जाता है, लेकिन भाजपा पर बटन दबता है तो डबल स्पीड से विकास होता है।

श्री नड्डा ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में एक ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी है जिसका मकसद कर्नाटक को देश का नंबर वन राज्य बनाना है तो वहीं दूसरी ओर वे लोग हैं जो हमेशा धर्म, जाति, संप्रदाय और क्षेत्र के नाम पर देश को बांटने के लिए तत्पर रहे। कांग्रेस ने हमेशा उत्तर-दक्षिण के नाम पर देश को बांटा, जातिवाद की राजनीति की, धर्म की राजनीति की।

कांग्रेस भ्रष्टाचार और वंशवाद की फैक्ट्री

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार, अनाचार और वंशवाद की फैक्ट्री है। सिद्धारमैया की सरकार के समय शिक्षक भर्ती घोटाला, पुलिस भर्ती घोटाला, 400 करोड़ रुपये का मालप्रभा घोटाला, अरकावती घोटाला, बेंगलुरु वृहद् महानगरपालिका, आरओ मशीन घोटाला, स्टील फ्लाईओवर घोटाला सहित न जाने कितने घोटाले हुए। हमारी सरकार भ्रष्टाचार के मामले में दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। कर्नाटक में जब-जब कांग्रेस की सरकार रही, तब-तब हर साल नए-नए भ्रष्टाचार सामने आये। सिद्धारमैया सरकार में घोटाले पर घोटाले हुए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सिद्धारमैया सरकार में लगभग 35 हजार करोड़ रुपए के घोटाले हुए। उन्हें इस पर कर्नाटक की जनता को जवाब देना होगा।

उन्होंने कहा कि हम लोगों के बीच विकास की बात करते हैं, कांग्रेस केवल और केवल एक परिवार की बात करती है। भाजपा के नेता जनता के बीच जाते हैं तो अपने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते नहीं थकते हैं जबकि कांग्रेस के नेता लोगों के बीच जाते हैं तो वे केवल ये कह सकते हैं कि हमने इसको बांटा, उसको बांटा।

कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को चुनाव नजदीक आने पर आज लिंगायत समाज की बहुत चिंता हो रही है। लेकिन कांग्रेस को याद होना चाहिए कि किस तरह पूर्व मुख्यमंत्री निजलिंगप्पा और वीरेंद्र पाटील जी को मुख्यमंत्री पद से बेइज्जत करके निकाला गया था। आज कांग्रेस लिंगायत समाज का हितैषी बनने का ढोंग कर रही है। कांग्रेस ने हमेशा लिंगायत समाज का अपमान ही किया है।

कर्नाटक की बदलती तस्वीर

श्री नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकारों की कार्यसंस्कृति विकास की कार्यसंस्कृति है। हुबली में दुनिया का सबसे लंबा प्लेटफॉर्म बन रहा है। बेलगावी में रेलवे स्टेशन का कायाकल्प हो रहा है। एशिया की सबसे बड़ी हेलीकॉप्टर फैक्ट्री कर्नाटक में लग रही है। कई एयरपोर्ट बनाये गए हैं। कैम्पेगौड़ा एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल बना है। यह कर्नाटक की बदलती तस्वीर है। कर्नाटक में बेंगलुरु-मैसूरु एक्सप्रेस-वे बना, धारवाड़ में आईआईटी बानी, हंपी मॉडल रेलवे स्टेशन बना। धारवाड़ और हुबली दोनों स्मार्ट सिटी की सूची में है। यहां हजारों करोड़ों रुपये की योजनाएं आ रही हैं। धारवाड़ से बेंगलुरु वंदे भारत ट्रेन शुरू हो गई है। आज एफडीआई में सबसे अधिक निवेश कर्नाटक में हो रहा है। ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस में कर्नाटक देश के अग्रणी राज्यों में है। स्टार्ट-अप में कर्नाटक सबसे आगे है। इनोवेशन बिजनेस में कर्नाटक सबसे आगे है। ये विकास के नए आयाम हैं। आपने कमल का बटन दबाया है तो विकास आपके घर तक पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता श्री बी.एस. येदियुरप्पा ने और हमारे मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक के गरीबों एवं किसानों की चिंता की है। रायता बंधु अभियान के तहत कर्नाटक के लगभग 11 लाख बच्चों को लाभ मिलेगा। किसान, आदिवासी, बुनकर बच्चों का भाग्य इससे बदल रहा है। कर्नाटक में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य से सिर्फ 17 लाख किसानों के नाम केंद्र सरकार के पास भेजे गए थे, लेकिन जब भाजपा की सरकार आयी, तब से राज्य के लगभग 54 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। ■

अप्रैल, 2023 के लिए जीएसटी राजस्व संग्रह अब तक का सर्वाधिक 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा

पहली बार सकल जीएसटी संग्रह 1.75 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। मार्च, 2023 के महीने में सृजित कुल ई-वे बिलों की संख्या 9.0 करोड़ थी, जो फरवरी, 2023 के महीने में सृजित 8.1 करोड़ ई-वे बिलों की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक मई को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अप्रैल, 2023 के महीने में सकल जीएसटी राजस्व 1,87,035 करोड़ रुपये संग्रहित किया गया, जिसमें सीजीएसटी 38,440 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 47,412 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 89,158 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर संग्रहित 34,972 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 12,025 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्रित 901 करोड़ रुपये सहित) है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी में 45,864 करोड़ रुपये और एसजीएसटी में 37,959 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद अप्रैल, 2023 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 84,304 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 85,371 करोड़ रुपये है।

अप्रैल, 2023 के महीने का राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के जीएसटी राजस्व से 12 प्रतिशत अधिक है। महीने के दौरान, घरेलू लेन-देन से राजस्व (सेवाओं के आयात सहित) पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है।

पहली बार सकल जीएसटी संग्रह 1.75 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। मार्च, 2023 के महीने में सृजित कुल ई-वे बिलों की संख्या 9.0 करोड़ थी, जो फरवरी, 2023 के महीने में सृजित 8.1 करोड़ ई-वे बिलों की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है।

अप्रैल, 2023 में 20 अप्रैल को एक दिन में अब तक का सर्वाधिक कर संग्रह हुआ। 20 अप्रैल, 2023 को 9.8 लाख लेन-देन के माध्यम से 68,228 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। पिछले वर्ष (समान तिथि को) सबसे ज्यादा एक दिन का भुगतान 9.6 लाख रुपये लेनदेन के माध्यम से 57,846 करोड़ रुपये था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल, 2023 के लिए जीएसटी राजस्व की वसूली का अब तक का सर्वाधिक 1.87 लाख करोड़ रुपये होना, 'भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी खबर' है। वित्त मंत्रालय के ट्वीट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर! कम कर दरों के बावजूद कर की वसूली में वृद्धि होना, उस सफलता को दर्शाता है कि कैसे जीएसटी ने समन्वय और अनुपालन में वृद्धि की है। ■

भारतीय नौसेना का जंगी जहाज 'इंफाल' परीक्षण के लिए पहली बार समुद्र में रवाना

इंफाल को अब तक का सबसे बड़ा और सबसे उन्नत विध्वंसक युद्धपोत होने का अनूठा गौरव प्राप्त होगा

भारतीय नौसेना के प्रोजेक्ट 15बी श्रेणी के तहत तैयार किया गया और रडार से बचने में सक्षम तीसरा स्वदेशी विध्वंसक युद्धपोत 'इंफाल' 28 अप्रैल को परीक्षण के लिए पहली बार समुद्री में रवाना किया गया। इस जहाज को मौजूदा वर्ष के अंत तक सेवारत करने की योजना है।

युद्धपोत इंफाल को कई विशिष्ट तकनीकों तथा उच्च स्वदेशी सामग्री से लैस किया गया है और इसे नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा इन-हाउस डिजाइन किया गया है। इंफाल का निर्माण मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया गया है, जो भारतीय नौसेना के 'आत्मनिर्भर भारत' व 'मेक इन इंडिया' पहल के राष्ट्रीय दृष्टिकोण पर जोर देने का स्वाभिमानी प्रमाण है।

इंफाल को अब तक का सबसे बड़ा और सबसे उन्नत विध्वंसक युद्धपोत होने का अनूठा गौरव प्राप्त होगा, जिसका नामकरण पूर्वोत्तर भारत के एक शहर के नाम पर किया गया है। इस प्रकार इंफाल राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विकास के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और मणिपुर राज्य के बढ़ते महत्व तथा योगदान को प्रदर्शित करने का एक उपयुक्त प्रतिरूप होगा।

इंफाल भारतीय नौसेना की लड़ाकू क्षमताओं में महत्वपूर्ण माध्यम से वृद्धि करेगा। इसके पूर्ववर्ती जहाजों दिसंबर, 2022 में आईएनएस मोरमुगाओ तथा जनवरी, 2023 में पांचवीं परियोजना 75 पनडुब्बी आईएनएस वगीर की हाल ही में कमीशनिंग किये जाने के साथ, इंफाल के समुद्री परीक्षणों की शुरुआत एक सशक्त, आधुनिक एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मझगांव डॉक लिमिटेड के निरंतर योगदान में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ■

वर्तमान में चल रहे आरएमएस के दौरान अब तक 2022-23 से भी अधिक 195 एलएमटी गेहूं की खरीद की गई

वर्तमान में चल रहे गेहूं खरीद अभियान के दौरान लगभग 14.96 लाख किसानों को एमएसपी के रूप में कुल 41,148 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही, केन्द्रीय पूल में गेहूं और धान की संयुक्त स्टॉक की स्थिति 510 एलएमटी से अधिक हो गई है, जो देश को खाद्यान्न की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सुविधाजनक स्थिति में रखता है

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा 27 अप्रैल को जारी एक बयान के अनुसार आरएमएस 2023-24 के दौरान गेहूं की खरीद पहले ही आरएमएस 2022-23 के दौरान हुई कुल खरीद को पार कर चुकी है। आरएमएस 2022-23 में 188 एलएमटी की खरीद हुई थी। हालांकि 26 अप्रैल, 2023 तक आरएमएस 2023-24 के दौरान 195 एलएमटी गेहूं की खरीद हुई है। इससे किसानों को बहुत लाभ हुआ है। वर्तमान में चल रहे गेहूं खरीद अभियान के दौरान लगभग 14.96 लाख किसानों को एमएसपी के रूप में कुल 41148 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि इस खरीद में प्रमुख योगदान गेहूं की खरीद वाले तीन राज्यों— पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश द्वारा किया गया है जोकि क्रमशः 89.79 एलएमटी, 54.26 एलएमटी और 49.47 एलएमटी है।

इस वर्ष की वृद्धिशील खरीद में योगदान करने वाले प्रमुख कारकों में से एक, बेमौसम बारिश के कारण चमक में कमी को देखते हुए खरीदे जा रहे गेहूं की गुणवत्ता विनिर्देशों में भारत सरकार द्वारा छूट प्रदान किया जाना है। यह कदम किसानों की कठिनाई को कम करेगा और मजबूरीवश की जाने वाली किसी भी बिक्री को नियंत्रित करेगा।

केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को बेहतर संपर्क के लिए पहले से ही नामित खरीद केन्द्रों के अलावा ग्राम/पंचायत स्तर पर खरीद केन्द्र खोलने और सहकारी समितियों/ग्राम पंचायतों/आढ़तियों आदि के माध्यम से भी खरीद करने की अनुमति दी है।

साथ ही, धान की खरीद भी सुचारू रूप से चल रही है। केएमएस 2022-23 की खरीफ फसल के दौरान 26.04.2023 तक 354 एलएमटी धान की खरीद की जा चुकी है और 140 एलएमटी की खरीद अभी की जानी है। इसके अलावा, केएमएस 2022-23 की रबी फसल के दौरान 106 एलएमटी धान की खरीद का अनुमान लगाया गया है।

केन्द्रीय पूल में गेहूं और धान की संयुक्त स्टॉक की स्थिति 510 एलएमटी से अधिक हो गई है, जो देश को खाद्यान्न की अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सुविधाजनक स्थिति में रखता है। गेहूं और धान की जारी खरीद के साथ सरकारी अनाज भंडार में खाद्यान्न के भंडार का स्तर बढ़ रहा है। ■

'अटल पेंशन योजना' के तहत 5.20 करोड़ से अधिक हुआ नामांकन

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा 27 अप्रैल को जारी विज्ञप्ति के अनुसार 'अटल पेंशन योजना' के अंतर्गत 31 मार्च, 2023 तक कुल 5.20 करोड़ से अधिक नामांकन किए गए। वित्त वर्ष 2022-23 में 1.19 करोड़ से अधिक नए अंशदाताओं का नामांकन हुआ। पिछले वित्तीय वर्ष में 99 लाख अंशदाताओं ने इस योजना में नामांकन किया था। इस प्रकार नामांकन में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई। अब तक अटल पेंशन योजना में प्रबंधन के अंतर्गत कुल परिसंपत्ति (एयूएम) 27,200 करोड़ रुपये से अधिक है। योजना के आरंभ होने के बाद अब तक इसने 8.69 प्रतिशत का निवेश लाभ अर्जित किया है।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) और भारतीय ग्रामीण बैंक (आरआरबीएस) के साथ तालमेल से संपूर्ण भारत के विभिन्न स्थानों पर 47 अटल पेंशन योजना आउटरीच कार्यक्रम और टाउन हॉल बैठकें आयोजित कीं। आधार का प्रयोग करके कई डिजिटल ऑनबोर्डिंग सुविधाओं का शुभारंभ किया गया है। इनमें संशोधित अटल पेंशन योजना ऐप का शुभारंभ और अटल पेंशन योजना के लाभों के बारे में जागरूकता के लिए 17 पॉडकास्ट, अटल पेंशन योजना पर प्रारंभिक जानकारी के लिए चैटबॉट जैसी सुविधाएं शुरू करने की कई पहल भी की गई हैं।

अटल पेंशन योजना के अंतर्गत अंशदाता को 60 वर्ष की आयु से उसके योगदान के आधार पर आजीवन न्यूनतम गारंटीशुदा पेंशन 1,000 रुपये से 5,000 रुपये तक प्रतिमाह मिलेगी। यह राशि अटल पेंशन योजना में शामिल होने की आयु के आधार पर भिन्न-भिन्न होगी। अंशदाता की मृत्यु के पश्चात पति या पत्नी को समान पेंशन का भुगतान किया जाएगा। अंशदाता पति/पत्नी दोनों की मृत्यु पर 60 वर्ष की आयु तक संचित पेंशन राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाएगी। ■

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना ने किए 8 साल पूरे

तीन जन सुरक्षा योजनाओं— प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने 9 मई, 2023 को उपलब्धि भरे 8 साल पूरे कर लिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई का शुभारम्भ 9 मई, 2015 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल से किया था।

ये तीनों योजनाएं नागरिकों के कल्याण के लिए समर्पित हैं, जो अप्रत्याशित घटना और वित्तीय अनिश्चितताओं से मानव जीवन को सुरक्षित करने की आवश्यकता को पूरा करने के लिए हैं। केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश के असंगठित वर्ग के लोग वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे, दो बीमा योजनाएं शुरू कीं— पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई। इसके साथ ही सरकार ने वृद्धावस्था की जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिए अटल पेंशन योजना एपीवाई भी शुरू की।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि ये तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाएं नागरिकों की भलाई के लिए समर्पित हैं, जो अप्रत्याशित जोखिमों, हानियों और वित्तीय अनिश्चितताओं की स्थिति में मानव जीवन की सुरक्षा के महत्व को स्वीकार करती हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य वंचित पृष्ठभूमि के लोगों को आवश्यक वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है, जिससे उनकी वित्तीय कमजोरी दूर किया जा सके।

श्रीमती सीतारमण ने जन सुरक्षा योजनाओं की 8वीं वर्षगांठ पर आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि 26 अप्रैल 2023 तक पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमशः 16.2 करोड़, 34.2 करोड़ और 5.2 करोड़ नामांकन किए गए हैं। पीएमजेजेबीवाई योजना के बारे में केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि इस योजना ने 6.64 लाख परिवारों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है और बीमा दावों के रूप में इन परिवारों को 13,290 करोड़ रुपये मिले।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पीएमएसबीवाई योजना के तहत 1.15 लाख से अधिक परिवारों को 2,302 करोड़ रुपये के दावे प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई दोनों योजनाओं के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने की वजह से दावों का तेजी से निपटान हुआ है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि यह देखना उत्साहजनक है कि इन योजनाओं को अधिकतम लोगों तक पहुंचाने के लिए लक्षित दृष्टिकोण के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ता से समर्पित है कि इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पूरे देश में प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे।

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बीमा सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक लक्षित दृष्टिकोण अपनाया है और योजना के तहत पूरे देश में पात्र लाभार्थियों को कवरेज प्रदान करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में अभियान चलाए जा रहे हैं। ■

प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी नेटवर्क में 2 करोड़ श्रोताओं को जोड़ते हुए 91 नए 100 वाट ट्रांसमीटरों का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अप्रैल को 91 स्थानों पर 100 वाट की क्षमता के लो पॉवर एफएम ट्रांसमीटरों को कमीशन किया। ये ट्रांसमीटर 20 राज्यों के 84 जिलों में संस्थापित किए गए हैं। इससे आकाशवाणी के ट्रांसमीटरों के नेटवर्क की संख्या 524 से बढ़कर 615 हो गई है। इनके जुड़ने से आकाशवाणी का कवरेज देश की आबादी के 73.5 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। ट्रांसमीटरों के संस्थापन के लिए वाम उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों तथा देश के सीमावर्ती क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

मोबाइल फोनों से सुसज्जित एफएम रिसीवर की सुनने की स्पष्ट गुणवत्ता और सरल उपलब्धता ने देश में एमएफ रेडियो सेवा की मांग को बढ़ा दिया है। इस मांग को पूरा करने और संगठन के क्षमता निर्माण की दिशा में एक प्रमुख कदम के रूप में सरकार ने देश में 63 और एफएम ट्रांसमीटरों की संस्थापना को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री ने इस ऐतिहासिक अवसर पर आकाशवाणी को बधाई दी। इस जुड़ाव के महत्व की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन अखिल भारतीय एफएम बनने की दिशा में आकाशवाणी द्वारा एफएम सेवाओं के विस्तार में एक उल्लेखनीय कदम है। उन्होंने रेखांकित किया कि आकाशवाणी द्वारा 91 एफएम ट्रांसमीटरों की शुरुआत देश के 84 जिलों और 2 करोड़ लोगों के लिए एक उपहार है। ■

भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं, बुद्ध दिया है

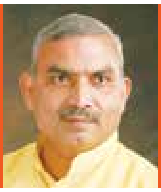

शिव प्रकाश

आज जब विश्व वैश्वीकरण के एक ऐसे दौर में है, जब संपूर्ण विश्व में जीवन की समस्याओं का हल हिंसा के माध्यम से ढूंढ़ा जा रहा है। यह दुःखद है कि अनेक देश एवं समाज समूह अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए हिंसा का सहारा ले रहे हैं। इस समय विश्व में शस्त्रों की होड़ लगी है, वर्चस्व स्थापित करने की इस अंधी दौड़ से ऐसा लगता है कि क्या दुनिया नष्ट होने की ओर बढ़ रही है?

भारत प्राचीन काल से ही विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम् (सम्पूर्ण विश्व एक परिवार) के भाव से देखता आया है। भारत में प्राचीन ऋषि परंपरा से अर्वाचीन भारतीय महापुरुषों तक ने इस सत्य की साधना की है। महात्मा बुद्ध से प्रेरणा लेकर महात्मा गांधी, भारतरत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित अनेक महापुरुषों ने विश्व शांति एवं विश्व कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करने का कार्य किया है।

राजकुमार सिद्धार्थ ने गृह त्याग करने के उपरान्त घोर साधना कर विश्व के कल्याण का मार्ग खोज लिया। बुद्धत्व प्राप्त करने के कारण वह 'तथागत बुद्ध' हो गए। संसार दुःखमय है, दुःखों से निवारण के लिए मन की साधना करते हुए धर्ममय जीवन बिताकर दुःखों से मुक्ति संभव है। शील का पालन, सत्य आचरण , करुणा एवं मैत्री जैसे सद्गुणों के पालन की शिक्षा उन्होंने धर्मोंपदेश में अपने शिष्यों को दी। शोषण रहित, भेदभाव मुक्त समाज जीवन उनका आदर्श था।

बाबासाहेब अम्बेडकर ने भगवान बुद्ध को अपना पहला गुरु माना है। वह कहते हैं, "मेरा जीवन तीन गुरुओं और तीन उपास्य दैवतों से बना है। मेरे पहले और श्रेष्ठ गुरु बुद्ध हैं। मेरे दूसरे गुरु कबीर हैं और तीसरे गुरु ज्योतिबा फुले हैं। मेरे तीन उपास्य दैवत भी हैं। मेरा पहला दैवत 'विद्या', दूसरा दैवत 'स्वाभिमान' और तीसरा दैवत 'शील' (नैतिकता) है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी, जो कि महाबोधि सोसाइटी के अध्यक्ष भी थे, उन्होंने कहा था कि, "बुद्ध ने शांति का मार्ग दिखाया, यह मृतकों की नहीं, बल्कि जीवितों की शांति है। यह गहन बुद्धिमत्ता और जीवन की वास्तविकताओं की उचित समझ से उत्पन्न हुई शांति है। शांति केवल तभी स्थायी हो सकती है जब वह अन्याय को पराजित करती हुई, मानव के आध्यात्मिक और भौतिक प्रेरणाओं के बीच एक सच्चा सद्भाव स्थापित करती हो।"

20 अप्रैल, 2023 को ग्लोबल बुद्धिस्ट समिट को संबोधित करते हुए नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "हम देखते हैं, आज अपने विचारों, अपनी आस्थाओं को दूसरों पर थोपने की सोच दुनिया के लिए बहुत बड़ा संकट बन रही है। लेकिन, भगवान् बुद्ध ने कहा था– 'अत्तान मेव पठमन्, पति रूपे निवेसये', यानी कि, पहले स्वयं सही आचरण करना चाहिए, फिर दूसरे को उपदेश देना चाहिए। बुद्ध सिर्फ इतने पर ही नहीं रुके थे। उन्होंने एक कदम आगे बढ़कर कहा था- 'अप्प दीपो भवः', यानि अपना प्रकाश स्वयं बनो। आज अनेक प्रश्नों का उत्तर भगवान बुद्ध के इस उपदेश में ही समाहित है।" उन्होंने आगे यह भी कहा, "भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिए हैं। जहां बुद्ध की करुणा हो, वहां संघर्ष नहीं समन्वय होता है, अशांति नहीं शांति होती है।"

भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत के साथ भारत का भगवान बुद्ध से रिश्ता सिर्फ ऐतिहासिक ही नहीं है, बल्कि समकालीन महत्व का भी है। आज भारत स्वयं ही नहीं बल्कि विश्व भर में भगवान बुद्ध की शिक्षा के लिए अधिक समझ और संवेदनशीलता के प्रोत्साहन के लिए प्रयास कर रहा है।

समस्त विश्व में आज का मानव वर्तमान परिवेश में रक्षक की जगह भक्षक न बन जाये, इसके लिए बौद्ध धर्म के सिद्धान्तों पर विचार करने की आवश्यकता है। जिससे व्यक्ति के आचरण, बुद्धि व विचार में परिवर्तन हो सके, क्योंकि समाज में एकता एवं समानता, मैत्री, न्याय एवं विश्व बंधुत्व का भाव उत्पन्न हो सके। अष्टांग योग में उन्होंने यही धर्मोपदेश किया है।

शांति और सद्भाव का मार्ग दुर्गम हो सकता है परंतु असाध्य नहीं। इस प्रकार 21वीं शताब्दी के भविष्य के लिये संघर्ष निवारण हेतु बौद्ध दर्शन को वैकल्पिक तंत्र के रूप में प्रयोग में लाने की आवश्यकता है।

पूरे विश्व में आज राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर भगवान बुद्ध का दृष्टिकोण अब अधिक जरूरी है। भगवान बुद्ध के उपदेश सार्वभौमिक व सर्वकालिक हैं एवं वह सभी के लिए हितकारी हैं और विश्व स्तर पर पनप रहे भोगवादी विचारों के कारण उत्पन्न समस्याओं जैसे– ईर्ष्या-द्वेष, शोषण, भ्रष्टाचार, आतंकवाद आदि को समाप्त कर एक समरस, सम्पन्न, लोक मंगलकारी समाज बनाने के उद्देश्य को पूर्ण कर सकते हैं। करुणा, मैत्री और शांति भगवान बुद्ध के विचारों का मूल हैं और वास्तव में एक अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत दुनिया के लिए एक व्यवहारिक आचार संहिता के रूप में अनूदित किए जा सकते हैं। समन्वय, सहिष्णु, शांति युक्त कल्याण कारक समाज निर्माण के लिए महात्मा बुद्ध के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। ■

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) हैं

मोदी स्टोरी

उत्तर प्रदेश में 'माफिया राज' का अंत: प्रधानमंत्री मोदीजी का सुझाव उपयोगी साबित हुआ

— योगी आदित्यनाथ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अपराध और अपराधियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति तभी से स्पष्ट हो गयी थी, जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे और अब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में वह इसी नीति को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

उनकी शून्य-सहिष्णुता की नीति का ऐसा ही एक उदाहरण उत्तर प्रदेश से आता है जो 2017 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले व्यापक रूप से फैले माफिया राज के लिए बदनाम था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बताते हैं कि कैसे श्री मोदी के सुझाव ने उन्हें माफिया राज के खतरे को रोकने में मदद की।

योगी आदित्यनाथ को मार्च, 2017 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। उत्तर प्रदेश में उनकी सबसे बड़ी चुनौती माफिया राज, महिलाओं की सुरक्षा और निरंतर अंतराल पर होने वाले दंगे थे, जो राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति के लिए दुःस्वप्न थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी बैठक में उन्होंने इन समस्याओं पर प्रधानमंत्रीजी के साथ चर्चा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनसे राज्य की दैनिक कार्यप्रणाली के बारे में पूछा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की स्थिति पर गंभीरता से विचार करने के बाद सुझाव दिया कि पुलिस द्वारा 'फुट पेट्रोलिंग' आम लोगों के बीच सरकार और सिस्टम पर भरोसा बढ़ाने का एक माध्यम हो सकता है। लोग धीरे-धीरे व्यवस्था में विश्वास विकसित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब पुलिस की 'फुट पेट्रोलिंग' के दौरान पुलिस और जनता के बीच दोस्ताना संवाद शुरू होगा, तो माफियाओं के सामने सबसे पहली चुनौती सिस्टम का ही डर होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का यह सुझाव उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के लिए बेहद उपयोगी साबित हुआ। 'फुट पेट्रोलिंग' से न केवल माफिया राज के खतरे पर अंकुश लगा, बल्कि इसने पुलिस और आम आदमी के बीच एक सौहार्दपूर्ण संबंध विकसित किया।

मुख्यमंत्री योगी कहते हैं, "मैंने उत्तर प्रदेश में 'फुट पेट्रोलिंग' लागू की। वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर एक सिपाही तक, सभी ने 'फुट पेट्रोलिंग' में भाग लिया और आम आदमी से दोस्ताना बातचीत की और उनसे पूछा कि क्या उन्हें कोई समस्या है। इसका परिणाम यह हुआ कि समय बीतने और इस अभ्यास के साथ उत्तर प्रदेश की कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ।" ■

'द केरल स्टोरी' आतंक के नए, जहरीले रूप को उजागर करती है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 08 मई, 2023 को बेंगलुरु में 'केरल स्टोरी' फिल्म देखने के बाद कहा कि 'द केरल स्टोरी' आतंकवाद के एक नए, जहरीले रूप को उजागर करती है जिसमें बम और गोला-बारूद का उपयोग नहीं किया जाता है।

स्क्रीनिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमने गोलियों, धमाकों और स्वचालित हथियारों की आवाज सुनी है। लेकिन यह आतंकवाद का एक खतरनाक रूप है जिसमें बंदूकें, बम और गोला बारूद सुनाई नहीं देते हैं। 'द केरल स्टोरी' आतंकवाद के इस जहरीले रूप का पर्दाफाश करती है।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद के इस रूप का किसी राज्य या धर्म से कोई संबंध नहीं है। यह युवाओं को लुभाता है, फिर उन्हें गुमराह करता है और उन्हें गलत रास्ते पर धकेल देता है। यह फिल्म इसका खुलासा करती है और इसके खिलाफ चेतावनी देती है।

उन्होंने कहा कि यह एक फिल्म हो सकती है, लेकिन यह आतंकवाद के बारे में बहुत कुछ बताती है। हमारे युवा को पूर्व नियोजित तरीके से आतंक में शामिल होने के लिए ललचाया जा रहा हैं। उन्हें उस रास्ते पर धकेल दिया जाता है और जहां से वापसी का कोई रास्ता नहीं होता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से केरल उच्च न्यायालय के इनकार का भी जिक्र किया। अदालत ने कहा था कि उसे फिल्म के ट्रेलर में "किसी विशेष समुदाय के लिए कुछ भी आपत्तिजनक" नहीं लगा। "केरल उच्च न्यायालय ने इस मामले पर गंभीर टिप्पणी की थी। एक पूर्व मुख्यमंत्री ने भी इसकी गंभीरता को रेखांकित किया है।

श्री नड्डा ने फिल्म को 'आंखें खोलने वाला' बताते हुए कहा कि यह जागरूकता फैलाती है ताकि हम एक बेहतर समाज की ओर बढ़ सकें। "मुझे लगता है कि हम सभी को 'द केरल स्टोरी' देखनी चाहिए। जैसा कि मैंने कहा, आतंकवाद के इस रूप का किसी धर्म या राज्य से कोई संबंध नहीं है। यह सार्वभौमिक है। इसे उजागर करने की जरूरत है।" ■

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा

अटल बिहारी वाजपेयी

मुंबई में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय परिषद् में 28 दिसंबर, 1980 को श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिए गए अध्यक्षीय भाषण का तीसरा भाग—

लोकतंत्र के प्रति वचनबद्धता

लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता अविभाज्य हैं जो राज्य व्यवस्था विभिन्न मतावलंबियों में भेदभाव करे, उन्हें बराबरी का स्थान न दे, उसे वास्तव में 'लोकतंत्र' नहीं कहा जा सकता, क्योंकि लोकतंत्र जिन मूलभूत मान्यताओं पर आधारित है, उनमें सभी नागरिकों की समता का सिद्धांत भी है। लोकतंत्र से हमारी प्रतिबद्धता उतनी ही मूलभूत है, जितनी धर्मनिरपेक्षता से।

इस अधिवेशन में उपस्थित लोगों में हजारों ऐसे हैं, जिन्होंने 1975-76 में लोकतंत्र पर आए अभूतपूर्व संकट का सामना साहस के साथ किया और हर तरह के कष्ट झेले। हमारे कुछ साथी तो उस संघर्ष में वीरगति को प्राप्त हुए। आज हम उनको केवल अपनी विनम्र श्रद्धांजलि ही अर्पित कर सकते हैं।

विकृत धर्मनिरपेक्षता

यह खेद का विषय है कि कांग्रेस की नीतियों ने धर्मनिरपेक्षता की धारणा का स्वरूप विकृत कर दिया। राजनीतिक कारणों से धर्मनिरपेक्षता का अर्थ केवल अल्पसंख्यक मतावलंबियों के हितों की सुरक्षा मान लिया गया, यद्यपि यह धर्मनिरपेक्षता संप्रदायों तथा वर्गों के संकीर्ण स्वार्थों के तुष्टीकरण का एक सम्मानजनक रूप धारण कर लेती है।

धर्मनिरपेक्षता की सकारात्मक धारणा

वास्तव में धर्मनिरपेक्षता की धारणा कहीं अधिक व्यापक एवं सकारात्मक है। धर्मनिरपेक्षता किस प्रकार लोकतंत्र से जुड़ी है, इसका उल्लेख किया जा चुका है। धर्मनिरपेक्षता राष्ट्रीयता तथा राष्ट्रीय एकात्मकता की भी आश्वस्ति है।

भारतीय जनता पार्टी इसी व्यापक एवं सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता को स्वीकार करती है। भारतीय पृष्ठभूमि में धर्मनिरपेक्ष राज्य व्यवस्था स्थापित करने का उद्देश्य तभी 'पूर्ण हुआ' कहा जा सकता है, जबकि धर्म, जाति, भाषा एवं क्षेत्र की सीमाओं के

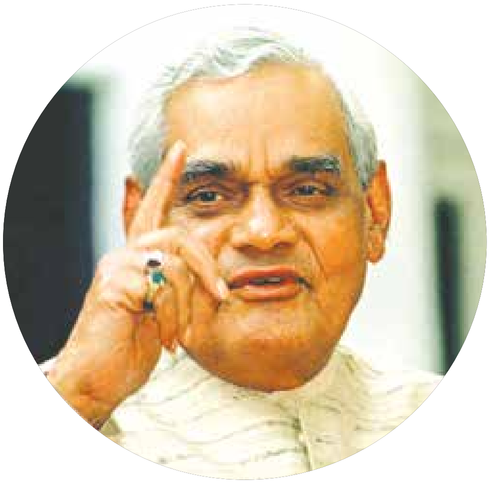

ऊपर उठकर भारतीयता की भावना, जो मेरे विचार से हमारे सभी देशवासियों में मूल रूप में विद्यमान है, को विकसित एवं दृढ़ करने में हम सफल हों। 'भारतीयता' का आधार वह मूल्य-व्यवस्था ही हो सकती है, जो भारतीय सभ्यता का अंग है और इस मूल्य-व्यवस्था का विकास विभिन्न धर्मों, विचारधाराओं एवं अनुभवों से प्राप्त मूल्यों के समन्वय से होता रहा है। हमें सतत इस दिशा में प्रयत्नशील रहना चाहिए कि समन्वय की यह प्रक्रिया आगे बढ़ती रहे। भारतीयों को अच्छे इनसान बनाने हेतु हमें सभी धर्मों के सद्विचारों का उपयोग करना चाहिए।

विफलता के बारह महीने

बारह महीने बीत गए। दिल्ली में अभी तक काम करनेवाली सरकार के दर्शन नहीं हुए हैं। संसद का शीतकालीन अधिवेशन अभी-अभी समाप्त हुआ है। 24 दिनों में 10 अध्यादेशों पर मुहर लगाकर उसने नया रिकॉर्ड कायम किया है। निरोधक नजरबंदी आदि काले कानून को पारित करने में उसने आधी रात तक परिश्रम करने की कर्त्तव्यपरायणता दिखाई है।

14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा में नेहरू जी ने कहा था– 'जब घड़ी आधी रात का घंटा बजाएगी और जब विश्व सो रहा होगा, तब भारत एक नए जीवन तथा स्वतंत्रता में जागेगा।'

22 दिसंबर, 1980 को राज्यसभा द्वारा आधी रात को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम की पुष्टि देखकर कोई यह भी कह सकता था कि 'जब सारा भारत सो रहा है, तब जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि, लोगों को रोटी देने के बजाय उसकी आजादी को छीनने के लिए नई बेड़ियां गढ़ने में लगे हैं।'

सर्वोच्च न्यायालय भी अपनी जगह है। मिनर्वा मिल्स के मामले में उसने पुनः अपने इस दृष्टिकोण को दोहराया है कि हमारे संविधान के कुछ आधारभूत तत्त्व हैं, जिनके साथ संसद खिलवाड़ नहीं कर सकती। किंतु सरकार उस निर्णय को रद्द कराने पर तुली हुई है। सर्वोच्च न्यायालय को प्रगति के रास्ते में रुकावट के रूप में चित्रित किया जा रहा है। जजों के अनेक स्थान खाली पड़े हैं।

प्रेस सामान्यतः अपने दायित्व के प्रति जागरूक है। भागलपुर में पुलिस द्वारा हवालातियों की आंखें फोड़ने का पैशाचिक

कृत्य न जाने कब तक चलता रहता, यदि 'संडे' तथा 'इंडियन एक्सप्रेस' उसको प्रकाश में लाने का साहस और उद्यम नहीं करते।

प्रेस पर अंकुश

किंतु पत्र-पत्रिकाएं एक अव्यक्त आशंका से आक्रांत हैं। बंगलोर में कुछ दैनिक पत्रों के कार्यालयों का घेराव और उड़ीसा में पत्रकार महापात्र की पत्नी श्रीमती छवि रानी का पहले सामूहिक बलात्कार तथा फिर उनकी हत्या, बाकी प्रेस को सीधी राह पर रखने के लिए यदि काफी नहीं है तो मालिकों की बांह मरोड़कर पत्रों को ठीक करने की कला नई दिल्ली अच्छी तरह जानती है।

सरकारी मीडिया का दुरुपयोग

प्रचार के सरकारी साधनों, रेडियो तथा टी.वी. का भारी दुरुपयोग, औचित्य की सभी सीमाएं लांघकर, लोकतंत्र के साथ एक भोंडे मजाक का रूप ले रहा है। अदूरदर्शी शासक यह समझने के लिए तैयार नहीं हैं कि यदि उनके प्रचार साधन अपनी विश्वसनीयता खो बैठे तो वे सत्ता पक्ष की डुगडुगी पीटने के घटिया काम को पूरा करने लायक नहीं रहेंगे।

पंगु प्रशासन

केंद्र में सरकार है, किंतु प्रशासन नहीं है। प्रधानमंत्री हैं, किंतु उनकी पकड़ नहीं है। सचिवालय काम कर रहा है, किंतु सेवाओं को जैसे लकवा मार गया है। फैसले नहीं लिये जा रहे हैं। जिम्मेदारी लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। मंत्री भयभीत हैं, न जाने कब पं. कमलापति त्रिपाठी की तरह रास्ता दिखा दिया जाए। अफसर सहमे हुए हैं, पता नहीं किस घड़ी कर्तव्यपालन के पुरस्कार के रूप में उन्हें सी.बी.आई. के डी.आई.जी. श्री एन.के. सिंह की तरह कारागार और अपमान का शिकार बना दिया जाए।

आपातकाल में लांछित मंत्रियों और अफसरों की वापसी ने सारी प्रशासनिक व्यवस्था को झकझोर दिया है। चुनाव में सफलता, जो स्वभावतः अनेक परिस्थितियों पर निर्भर करती है, शाह आयोग के निष्कर्षों को रद्द नहीं कर सकती, न मारुति के भारी घोटाले को सदाचार का भव्य स्मारक ही बना सकती है।

दलबदल को प्रोत्साहन

स्वार्थसिद्धि तथा पदलोलुपता पर आधारित दलबदल की अनैतिक प्रक्रिया पर पूर्ण विराम लगाने के बजाय दलगत निष्ठाओं की खरीद का जैसा खुला बाजार गत बारह महीनों में गरम हुआ है, उससे न केवल राजनेताओं की बची-खुची इज्जत मिट्टी में मिल गई है, बल्कि दलपति को भी सांघातिक चोट लगी है।

असम में जब विधानसभा का 'ससपेन्डिड एनीमेशन किया गया था, तब कांग्रेस (आई) की सदस्य संख्या 8 थी। अब यह बढ़कर 56 हो गई है। ध्यान देने की बात यह है कि यह शक्तिवृद्धि तब हुई, जब असम की युवा पीढ़ी विदेशी घुसपैठ से अपने प्रदेश को बचाने के लिए जीवन और मृत्यु के संघर्ष में जूझ रही थी। यह संघर्ष आज भी जारी है।

पुलिस- अत्याचार

मुरादाबाद में जनता के एक बड़े भाग में इस भावना का घर कर जाना कि उसे पी.ए.सी. से संरक्षण नहीं मिल सकता। भागलपुर में पुलिसजनों का यह विश्वास कि हवालातियों की आंखें फोड़कर उन्होंने अपराधों की रोकथाम का अपना कर्तव्य ही पूरा किया है; बागपत में भरे बाजार में पुलिस द्वारा एक महिला को नंगा करने की शर्मनाक घटना और उससे भी ज्यादा कष्टदायक यह तथ्य कि सैकड़ों व्यक्ति उस चीरहरण को टुकुर-टुकुर देखते रहे यह मात्र प्रशासनिक विफलता या सामाजिक संवेदना के ह्रास की तसवीर के कुछ नमूने नहीं, चौखटा चरमराने और शीराजा बिखरने के संकट का सबूत है।

इस संकट के नामाभिधान के बारे में भले ही मतभेद हो, इस बारे में कोई विचार भिन्नता नहीं हो सकती कि यह संकट अभूतपूर्व है और किसी एक व्यक्ति का उतरता हुआ जादू, किसी एक दल का बिखरता हुआ ढांचा या टूटता हुआ प्रभाव या प्रशासन का लहूलुहान दबदबा इसका सामना नहीं कर सकता।

आजीवन राष्ट्रपति स्थापित करने का कुत्सित विचार

जो लोग वर्तमान संसदीय प्रणाली की जगह राष्ट्रपति पद्धति की वकालत यह सोचकर कर रहे हैं कि उससे सभी रोगों का रामबाण इलाज हो जाएगा, वे या तो भोले हैं या मक्कार हैं; उनके मक्कार होने की ही संभावना ज्यादा है।

'आजीवन राष्ट्रपति' तथा 'निर्वाचित न्यायपालिका' की बातें किसी बहके हुए दिमाग की उपज नहीं, एक गहरी साजिश का संकेत है, जो नकारात्मक मतों के बल पर प्राप्त सत्ता को हमेशा के लिए हथियाने की दृष्टि से भारतीय गणतंत्र को नष्ट करने पर तुली है। इस साजिश को बेनकाब करना चाहिए और पूरी तरह पकने से पहले ही कुचल देना चाहिए।

चुनाव प्रणाली में सुधार

1980 के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करने से यह बात एक बार फिर स्पष्ट हो जाती है कि जो दल मतदाताओं की बहुसंख्या का समर्थन प्राप्त करने में विफल रहा, वह सत्ता में आने में सफल हो गया। गत चुनाव में कांग्रेस (आई) को लोकसभा में 525 स्थानों में से 351 स्थान मिले, किंतु वोटों की दृष्टि से जिन मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया, उनमें से केवल 42.57 प्रतिशत ने कांग्रेस (आई) का समर्थन किया।

अल्पसंख्यक वोटों के बल पर बहुसंख्यक स्थान प्राप्त करने की विचित्रता हमारी चुनाव प्रणाली का अभिन्न अंग है। स्वतंत्रता के बाद किसी चुनाव में कोई ऐसा दल सत्ता में नहीं आया, जिसे अपने मताधिकार का उपयोग करनेवाले भारतीयों की बहुसंख्या का समर्थन मिला हो; यहां तक कि सन् 1977 में जनता पार्टी को भी केवल 43.06 प्रतिशत वोट मिले थे। ■

क्रमशः

अंबा चरण वशिष्ठ नहीं रहे

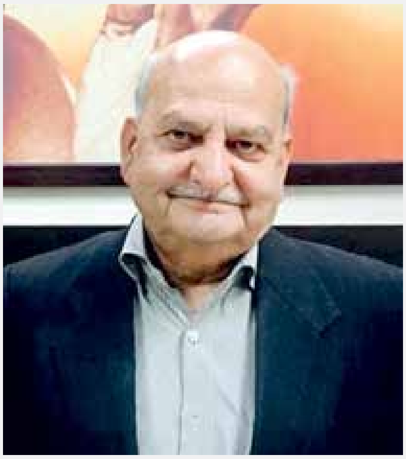

भाजपा साहित्य एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक और कमल संदेश संपादक मंडल के सदस्य रहे श्री अंबा चरण वशिष्ठ का 26 अप्रैल, 2023 को चंडीगढ़ में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। श्री वशिष्ठ मूल रूप से शिमला, हिमाचल प्रदेश के रहने वाले थे और उनके परिवार में उनके बेटे और बेटी हैं। वह एक सरल, सज्जन और आध्यात्मिक व्यक्ति थे और विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए थे। उनका अंतिम संस्कार 27 अप्रैल, 2023 को चंडीगढ़ में किया गया।

श्री वशिष्ठ, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से अपनी मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद अपनी सरकारी नौकरी के दौरान चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में सेवारत रहे। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने लेखन को एक जुनून के रूप में अपनाया और सेवानिवृत्ति के बाद इसे और दृढ़ता से अपनाया। वह विभिन्न अंग्रेजी और हिंदी राष्ट्रीय समाचार पत्र और पत्रिकाओं में एक स्वतंत्र स्तंभकार एवं राजनीतिक टिप्पणीकार थे।

सेवानिवृत्ति के बाद श्री वशिष्ठ हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और भाजपा प्रदेश कार्यालय सचिव बने। बाद में वे दिल्ली चले गए और कमल संदेश के संपादकीय मंडल के सदस्य के तौर पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। वह 2008 में भाजपा साहित्य एवं प्रकाशन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक बने और 2015 में एनसीईआरटी, भारत सरकार के सलाहकार बने। उन्होंने 'द ट्रुथ अबाउट तीस्ता सीतलवाड़' सहित कई पुस्तकों का लेखन और संपादन भी किया।

श्री अंबा चरण वशिष्ठ का निधन उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के लिए अपूरणीय क्षति है। कमल संदेश परिवार शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है और ईश्वर से उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता है। ■

कैबिनेट ने चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के लिए नीति को दी मंजूरी

चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना के तहत अब तक कुल 26 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें 1206 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और इसमें से अब तक 714 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया जा चुका है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 26 अप्रैल को राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 को मंजूरी दे दी। भारत में चिकित्सा उपकरण क्षेत्र भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का एक आवश्यक और अभिन्न अंग है। भारतीय चिकित्सा उपकरण क्षेत्र का योगदान और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि भारत ने वेंटिलेटर, रैपिड एंटीजन टेस्ट किट, रियल-टाइम रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर) किट, इन्फ्रारेड (आईआर) थर्मामीटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और एन-95 मास्क जैसे चिकित्सा उपकरणों और डायग्नोस्टिक किट के बड़े पैमाने पर उत्पादन के माध्यम से कोविड-19 महामारी के खिलाफ घरेलू और वैश्विक लड़ाई का समर्थन किया है।

भारत में चिकित्सा उपकरण क्षेत्र एक उभरता हुआ क्षेत्र है जो तेज गति से बढ़ रहा है। भारत में चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के बाजार का आकार 2020 में 11 बिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 90,000 करोड़ रुपये) होने का अनुमान है और वैश्विक चिकित्सा उपकरण बाजार में इसकी हिस्सेदारी 1.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। भारतीय चिकित्सा उपकरण क्षेत्र विकास की राह पर है और इसमें आत्मनिर्भर बनने तथा सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लक्ष्य की दिशा में योगदान करने की अपार क्षमता है।

भारत सरकार ने हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों में 4 चिकित्सा उपकरण पार्कों की स्थापना के लिए चिकित्सा उपकरणों और सहायता के लिए पीएलआई योजना के कार्यान्वयन की शुरुआत पहले ही कर दी है। चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई योजना के तहत अब तक कुल 26 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें 1206 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है और इसमें से अब तक 714 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया जा चुका है।

पीएलआई योजना के तहत 37 उत्पादों को तैयार करने वाली कुल 14 परियोजनाओं को चालू किया गया है और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों का घरेलू निर्माण शुरू हो गया है जिसमें लाइनर एक्सिलरेटर, एमआरआई स्कैन, सीटी-स्कैन, मैमोग्राम, सी-आर्म, एमआरआई कॉइल, अत्याधुनिक एक्स-रे ट्यूब आदि शामिल हैं। निकट भविष्य में शेष 12 उत्पादों को तैयार करने की शुरुआत की जाएगी। कुल 26 परियोजनाओं में से 87 उत्पादों/उत्पाद घटकों के घरेलू विनिर्माण के लिए हाल ही में श्रेणी बी के तहत पांच परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। ■

केरल सरकार का फोकस युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने पर नहीं है : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने थेवारा केरल में आयोजित 'युवम' कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे देश के युवाओं का ही कमाल है कि कभी Fragile Five में गिने जाने वाले भारत को आज सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। आज हर कोई ये कह रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है। भारत वो देश है जिसके पास युवाशक्ति का भरपूर भंडार है। पहले यह सोच थी कि देश में कुछ नहीं बदलेगा, जबकि अब ये सोच बनी है कि हमारा देश पूरी दुनिया को बदलेगा। आज का भारत तो स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया की बात करता है।

श्री मोदी ने कहा कि भाजपा और युवाओं का विजन एक समान है। हम सुधार लाते हैं, युवा परिणाम लाते हैं। ये सरकार और युवाओं के बीच का पार्टनरशिप है। भाजपा ने इस दौर को युवा नेतृत्व वाला विकास (Youth-led Development) का युग बना दिया है।

उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने जहां हर सेक्टर में घोटाले किए, वहीं केंद्र की भाजपा सरकार हर सेक्टर में युवाओं के लिए नित-नए अवसर बना रही है। भाजपा सरकार ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान और स्पेस सेक्टर से युवाओं को नए अवसर दिए हैं। केरल के युवा जानते हैं कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का किसी भी राज्य के विकास में कितना बड़ा योगदान होता है। केरल में इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरेगा तो नई इंडस्ट्री आने के साथ ही रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और टूरिज्म भी बढ़ेगा।

> भाजपा और युवाओं का विजन एक समान है। हम सुधार लाते हैं, युवा परिणाम लाते हैं। ये सरकार और युवाओं के बीच का पार्टनरशिप है

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तय किया है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में सिपाही पद के लिए होने वाली परीक्षाएं अब अंग्रेजी और हिंदी के साथ ही भारत की 13 अन्य भाषाओं में भी होंगी। यानी अब मलयालम में भी यह परीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा की राज्य सरकारें हैं, वहां नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का अभियान तेज गति से चल रहा है, लेकिन केरल में जो सरकार है, उसका फोकस युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध कराने पर नहीं है। मुझे बताया गया है कि केरल में न रोजगार मेलों का आयोजन होता है और न ही सरकारी भर्तियों पर उतना ध्यान दिया जा रहा है। यहां के युवा राज्य सरकार के इस रवैये को कभी भूल नहीं सकते।

राज्य की विशेषताओं पर बोलते हुए श्री मोदी ने कहा कि केरल अपने अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य, ट्रेडिशनल मेडिसिन और कला-संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। 'युवम' के माध्यम से केरल वैश्विक स्तर पर पर्यटन की अपार संभावनाओं का सबसे प्रमुख केंद्र बन सकता है। यहां के लोगों का हजारों वर्ष पुराना ज्ञान पूरे विश्व की मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में मैंने केन्या के पूर्व प्रधानमंत्री का जिक्र किया था। उनकी बेटी की आंख, केरल में हुए उपचार से ही ठीक हुई थी। पारंपरिक और प्राकृतिक चिकित्सा में केरल के सामर्थ्य को हमें लगातार बढ़ाना है।

श्री मोदी ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि दो तरह की विचारधारा के संघर्ष में केरल का बहुत नुकसान हो रहा है। यहां एक विचारधारा अपनी पार्टी को केरल के हितों से ऊपर समझती है, तो दूसरी एक परिवार को देश से भी ऊपर रखती है। ये दोनों मिलकर हिंसा और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही हैं। केरल के युवाओं को इन दोनों ही विचारधारा को परास्त करने के लिए मेहनत करनी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा की सरकार में हम सभी देश का एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, वहीं केरल में दूसरा ही खेल चल रहा है। यहां पर दिन-रात गोल्ड की स्मगलिंग के लिए मेहनत की जा रही है। राज्य के युवाओं की आकांक्षाओं और बेचैनी को केंद्र की भाजपा सरकार भली-भांति समझती है। बीते 9 वर्षों में देश ने पूरा प्रयास किया है कि केंद्र से जो योजनाएं शुरू हो रहीं हैं, उनका पूरा लाभ केरल के लोगों को भी मिले।

अपने संबोधन के अंत में श्री मोदी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि केरल का युवा डिजिटल इंडिया और एआई क्रांति (AI Revolution) को लीड करे। केरल का युवा साइन्स और इनोवेशन में लीड करे। महान मलयाली संस्कृति को भी दुनिया तक पहुंचाए। केरल का युवा स्पोर्ट्स में भी न्यू इंडिया का प्रतिनिधित्व करे। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... पिन : ....

दूरभाष : .... मोबाइल : (1)........................... (2)..........................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :.................................. दिनांक :............................ बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

तिरुवनंतपुरम (केरल) में 25 अप्रैल, 2023 को जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

बेंगलुरु (कर्नाटक) में 07 मई, 2023 को एक विशाल रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

26 अप्रैल, 2023 को 'सौराष्ट्र तमिल संगम' के समापन समारोह को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गुजरात में 27 अप्रैल, 2023 को स्वागत पहल के 20 साल पूरे होने के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

28 अप्रैल, 2023 को 18 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 91 एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सिलवासा (दादरा और नगर हवेली) में 25 अप्रैल, 2023 को नमो मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 15 मई, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

मन की बात: दिल की आवाज

दूर-दूर तक फैले भारत भूमि पर,
रहता है एक व्यक्ति अंतरात्मा की आवाज के साथ,

नाम है उनका नरेन्द्र मोदी, एक सच्चे नेता,
और राष्ट्र के नाम उनका संदेश, करेंगे आत्मसात्।

'मन की बात' के साथ कही उन्होंने अपने मन की बात,
अपने संदेश से सबको दिया आस,

की प्रगति, विकास और परिवर्तन की बात,
और किया लोगों को एक उज्ज्वल जीवन के लिए प्रेरित।

उनके शब्द लगे संगीत सबके कानों में,
लाते एकत्व, और तोड़ते अवरोध,

मतभेद जो बांटते हैं, और पैदा करते हैं संघर्ष,
उन सभी प्रश्नों का वो करते हैं हल

हर एपिसोड के साथ वे पहुंचे दिलों तक,
लाखों लोगों तक, हर भाग में,

उनके सच्चे शब्द गूंजे देश में,
और भारत के लिए प्रखर हुई उनकी दृष्टि नई।

आइए, सुनते हैं खुले मन से,
प्रधानमंत्री मोदी के शब्द, और जो वह लाए हैं संदेश,

उनके मन की बात में है ज्ञान और गरिमा,
और भारत के लिए एक दृष्टि, जिसे कर सकते हैं हम सब आत्मसात्।

—जयराज कैमल

(मूलत: अंग्रेजी में लिखित कविता का हिंदी भावानुवाद)

छायाकार: अजय कुमार सिंह